

प्रातः किरण

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

f /Pratahkiran | /Pratahkiran | /Pratahkiran

12 सीएम विजय ने चलाया करप्शन पर चाबुक पार्टी फंड के

फीफा वर्ल्ड कप 2026 हो सकता है नेमार का आखिरी टूर्नामेंट.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 44 | नई दिल्ली, सोमवार, 08 जून, 2026

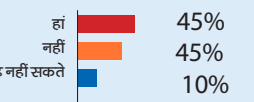
विक्रम संवत् 2082

पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00

www.pratahkiran.com

मोसम
अधिकतम तापमान 42.0°C
न्यूनतम तापमान 38.0°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार



बाजार
सोना 1,58,104

चांदी 2,74,000

संसेक्स 84,556

निफ्टी 25,888

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में लगी आग, 8 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

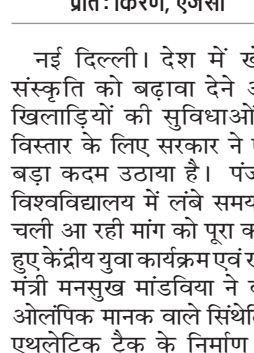
नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी इलाके में रविवार को एक रिहायशी इमारत में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान चलाकर इमारत में फंसे आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। फायर विभाग के अनुसार, दोपहर करीब 3:38 बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके के लिए रवाना हुईं। आग न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित पी-600 नंबर की बिल्डिंग के ऊपरी फ्लोर पर लगी थी। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण एसी में शॉर्ट सर्किट और उससे जुड़े घरेलू सामान को माना जा रहा है। स्टेशन ऑफिसर फूल सिंह मीना ने बताया कि जब दमकल कर्मियों के मदद पर पहुंचे तो पूरी इमारत धुंए से भरी हुई थी और कई लोग अंदर फंसे हुए थे। स्थिति को देखते हुए तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने सीढ़ियों की मदद से दूसरी और तीसरी मंजिल पर फंसे लोगों को सुरक्षित नीचे उतारा। बचाव अभियान के दौरान कुल आठ लोगों को सुरक्षित निकाला गया, जिनमें चार बच्चे, दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल थे। राहत की बात यह रही कि किसी भी व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं आई। सभी लोगों को सम्यह रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। फायर विभाग के अधिकारी राज कुमार ने बताया कि जब टीम मौके पर पहुंची तो ग्राउंड फ्लोर पर दो बच्चे और दो बड़े मौजूद थे, जबकि तीसरी मंजिल पर भी दो बच्चे और दो वयस्क फंसे हुए थे। सभी को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। हालांकि, घर के अंदर मौजूद दो कुत्तों को बचाया नहीं जा सका। दमकल विभाग ने बताया कि आग पर चार फायर टैंकों की मदद से काबू पाया गया।

पंजाब विश्वविद्यालय में बनेगा ओलंपिक स्तर का सिंथेटिक ट्रैक

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने अभाविप के प्रस्ताव को ढी मंजूरी

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों की सुविधाओं में विस्तार के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। पंजाब विश्वविद्यालय में लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वहां ओलंपिक मानक वाले सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के निर्माण को मंजूरी दे दी है। आगामी दो से तीन महीनों में इस परियोजना पर जमीनी काम शुरू होने की उम्मीद है। यह निर्णय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद आया है। शनिवार देर शाम अभाविप



के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने खेल मंत्री से मुलाकात की और देश में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक व्यापक ज्ञान सौंपा। अभाविप ने वर्ष 2036 में भारत की संभावित ओलंपिक

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 14 जून को आयोजित होगा भव्य यमुना स्वच्छता अभियान

- यमुना के कई घाटों पर एक साथ वलगा स्वच्छता और जन-जागरूकता कार्यक्रम
- जनभागीदारी से ही संगठन है स्वच्छ, निर्मल और अद्विष्ट यमुना का संकल्प: सीएम रेखा गुप्ता

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार यमुना नदी को उसका गौरव लौटाने, नदी के तटों को स्वच्छ बनाने व पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से 14 जून को यमुना तट स्वच्छता अभियान-2026 का आयोजन करेगी। इस महाअभियान में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं शामिल होंगी और नागरिकों के साथ मिलकर स्वच्छ एवं स्वस्थ यमुना के संकल्प को मजबूत करेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना केवल नदी नहीं, बल्कि दिल्ली की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यावरणीय धरोहर है। यमुना के संरक्षण का दायित्व सरकार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक का भी है। इसी सोच को जन-जन तक पहुंचाने और सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए यह व्यापक अभियान आयोजित किया जा रहा है। 14 जून को यमुना रिवरफ्रंट के प्रमुख घाटों पर एकसाथ स्वच्छता और जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगीं। अभियान में लगभग 500 सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक और

स्वयंसेवी संगठनों के साथ हजारों स्वयंसेवकों की भी भागीदारी होगी। यह कार्यक्रम जनशक्ति और जनसंकल्प के माध्यम से यमुना को स्वच्छ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि



मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 14 जून को आयोजित होगा भव्य यमुना स्वच्छता अभियान

पिछले वर्ष भी यमुना व उसके घाटों को स्वच्छ बनाने के लिए हमारी यमुना, मेरा कर्तव्य अभियान चलाया गया था। इसमें भी हजारों स्वयंसेवकों ने भाग लिया था और 12 टन से अधिक अपशिष्ट (वेस्ट) एकत्र कर उसका वैज्ञानिक निस्तारण किया गया था। उस अभियान को मिले उत्साहजनक जनसमर्थन ने यह सिद्ध किया कि यदि समाज और सरकार साथ मिलकर कार्य करें तो बड़े बदलाव संभव हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का अभियान और अधिक व्यापक स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन, पुलिस, दिल्ली नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और

अन्य संबंधित एजेंसियों के सहयोग से सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन, पीने के पानी, प्राथमिक चिकित्सा, आपातकालीन सेवाओं और स्वच्छता संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना की स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, युवाओं और स्वयंसेवकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निजाने का आह्वान करते हुए कहा कि जनसहभागिता से ही स्वच्छ, निर्मल और जीवनदायिनी यमुना का सपना साकार किया जा सकता है।

दावा- NEET पेपर लीक के बाद NTA सिस्टम बदलेगा

एक्सपर्ट्स सवाल तैयार तो करेंगे, पर पता नहीं होगा किस एजाम के लिए किया

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। NEET-UG 2026 पेपर लीक और उड़र की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, NTA ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्सपर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एजाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं। नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब 10 हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एजाम पेपर तैयार होगा। वहीं, शनिवार को इंडियन एक्सप्रेस के आईडिया एक्सचेंज कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा- पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी ली है। मंत्री जिम्मेदारी से नहीं भाग रहे, बल्कि व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं। NTA से जुड़े



अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पूरे प्रश्नपत्र की जानकारी बहुत कम लोगों तक पहुंचे। सिस्टम को लोगों पर नहीं, प्रोसेस पर परीक्षा करना चाहिए। पेपर लीक मामले में ट्रांसलेशन करने वालों की गिरफ्तारी के बाद NTA ट्रांसलेशन प्रोसेस में भी बदलाव

भी रहेगी कि ट्रांसलेशन करने वालों को यह जानकारी न हो कि वे किस परीक्षा के सवाल देख रहे हैं। वहीं, NTA इस समय 21 जून को होने वाले टयूएच-वर्ल्ड री-टेस्ट की तैयारी भी कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक कुछ बदलाव अभी से लागू किए जा चुके हैं। इसके तहत नए सजेट एक्सपर्ट्स को जोड़ा गया है। साथ ही पेपर छपने के बाद उसके ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज सिस्टम को और सुरक्षित बनाने पर भी काम चल रहा है। रिजिजू बोले- शिक्षा मंत्री पर सीधा आरोप हो तो इस्तीफा मांगिए। रिजिजू ने कहा कि लाखों छात्रों को NEET दोबारा देने की नौबत आई और उड़र की मार्किंग गड़बड़ियों से भी परेशानी हुई। ऐसे मामलों में सरकार की जिम्मेदारी समस्या को ठीक करना है, न कि उससे बचना। उन्होंने भरोसा जताया कि उठाए गए कदम फलित्व में ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी मंत्री या उसके स्टाफ पर सीधे भ्रष्टाचार, रिश्तवत या गलत काम का आरोप हो तो इस्तीफे की मांग जायज होती है, लेकिन NEET पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री पर ऐसा कोई सीधा आरोप नहीं है।

किसी का अहित न करना ही सबसे बड़ी निरोगता: डॉ. इन्द्रेथ

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. इन्द्रेथ कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि किसी का अहित न करना ही सबसे बड़ी निरोगता है और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वस्थ विचारों का होना अनिवार्य है। डॉ. इन्द्रेथ कुमार ने यह बात दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में शुक्रवार को स्वस्थ, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन के सूत्रों को समर्पित करने वाली पुस्तक निरोगता के सूत्र - गुरुबाणी एवं श्रीमद्भगवद्गीता के आलोक में ह के लोकार्पण के दौरान कही। पुस्तक के लेखक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कर्मठ स्वयंसेवक डॉ. शाम लाल कठपालिया के जीवन, व्यक्तित्व एवं चिंतन को स्मरण करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन भारतीय संस्कृति, सेवा, स्वास्थ्य, अध्यात्म और मानवीय मूल्यों का जीवंत उदाहरण रहा है। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. इन्द्रेथ कुमार ने कहा, ह अहित करने के लिए व्यक्ति को अपने भीतर ईश्या, क्रोध और नकारात्मक भावों को स्थान देना पड़ता है, जो अंततः तन और मन दोनों को अस्वस्थ बनाते हैं। उन्होंने डॉ. शाम

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे पटना, एयरपोर्ट पर सीएम सम्राट चौधरी ने किया स्वागत

प्रातः किरण, एजेंसी

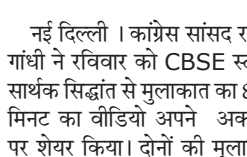
पटना। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत रविवार को बिहार की राजधानी पटना पहुंचे। जहां एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित कई अन्य लोगों ने उनका स्वागत किया। मोहन भागवत पटना से मुंगेर जाएंगे, जहां वे आरएसएस तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर वर्ग में कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। संघ के शताब्दी दिवस के अवसर पर मुंगेर के सरस्वती विद्या निकेतन में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। बिहार में तीन दिन तक रहकर मोहन भागवत यहां संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं को विचारधारा को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश भी देंगे। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 7 जून से 9 जून तक मुंगेर प्रवास करेंगे। बताया गया कि मोहन भागवत मुंगेर रविवार की शाम तक पहुंच जाएंगे। संघ प्रमुख मोहन भागवत की तीन दिवसीय प्रवास संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना



जा रहा है। इस दौरान वे संघ शिक्षा वर्ग में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन करेंगे और विभिन्न स्थानीय स्वयंसेवकों में जबरदस्त उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को शारीरिक अभ्यास, बौद्धिक सत्रों और संगठनात्मक गतिविधियों के माध्यम से तैयार किया जा रहा है, ताकि वे संगठन में अपनी भूमिका को और बेहतर ढंग से निभा सकें। संघ प्रमुख के इस दौर को लेकर मुंगेर में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन

राहुल बोले- 18 साल का सार्थक CBI से तेज निकला

प्रातः किरण, एजेंसी



नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को CBSE स्टूडेंट सार्थक सिद्धांत से मुलाकात का 8.15 मिनट का वीडियो अपने अकाउंट पर शेयर किया। दोनों की मुलाकात 2 जून को दिल्ली में हुई थी। 18 साल के सार्थक सिद्धांत ने CBSE की 12वीं क्लास के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) प्रणाली और डेटा का काम करने वाली कंपनी को COEMPT से जुड़ी टेंडर प्रोसेस में गड़बड़ी का खुलासा किया है। राहुल ने कहा, झारखंड के रांची के रहने वाले सार्थक ने भी इस साल 12वीं के एजाम दिए थे। नंबर कम आने पर उन्होंने री-इवैल्यूएशन के लिए अपनी स्कैन की गई ऑनसर्पिड मंगाई थीं। गलत नंबर कटने और दूसरी परेशानियों को सार्थक ने सोशल मीडिया पर शेयर था। सार्थक उड़र में सुधार के लिए संसद की स्थायी समिति के सामने 500 पेज की प्रेजेंटेशन भी दे चुके हैं। सार्थक: मैंने वही किया जो नागरिक को किसी भी चीज को लेकर करना चाहिए। ये हमारा देश है हर किसी में इतना सिविक सेंस जरूर होना चाहिए कि चीजों को पढ़कर सिस्टम



को ट्रांसपेरेंट बनाने के लिए काम करे। चाहे कितनी भी गड़बड़ी हो, लेकिन सुधार के लिए काम करना चाहिए। सार्थक: निसर्ग अधिकारी एथिकल हैकर है। उसने मुझे ग्रुप चैट पर डेट पोर्टल की गड़बड़ी शेयर की। मैंने देखा तो पाया कि उसमें सबकुछ ऑनमास्क द्वारा किया गया था। ऑनमास्क डेट इवैल्यूएशन के लिए एडटेक साल्जुशन कंपनी है। मैंने इसके बारे में और पता लगाया। निसर्ग ने मुझे दूसरी यूनिवर्सिटीज की भी डिटेल्स दीं, जो ऑनमास्क का यूज करती थीं। उनमें भी गड़बड़ी दिखी। इसके बाद मुझे लगा कि सीबीएसई क्यों एंटी कंपनी का यूज कर रही है, जिसके साथ इतनी गड़बड़ियां जुड़ी हैं। सार्थक: मुझे लगता है कि ये लोग अपना काम जिम्मेदारी से नहीं कर रहे हैं। 3 बार टेंडर बदला गया, रूल्स बदले गए, इसके बाद कॉन्ट्रैक्ट COEMPT एडटेक को दिया गया।

अभिजीत बोले- भारत की राजनीति में सिर्फ हिंदू-मुस्लिम का एजेंडा

बेरोजगारी चिंता का विषय, कॉकरोच जनता पार्टी धर्मद्र प्रधान के इस्तीफे तक नहीं रुकेगी

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा, पिछले 10-12 साल में देश की राजनीति हिंदू-मुस्लिम मुद्दों पर केंद्रित रही है। इससे रोजगार नहीं मिलेगा। सरकार की प्राथमिकताओं में बदलाव होना चाहिए। CJP फाउंडर रविवार सुबह महाराष्ट्र के छत्रपति संजीवजीनगर के वालुज इलाके में अपने घर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने शाम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। दीपके ने कहा, धर्मद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के लिए एजेंडा तैयार किया जाएगा। बेरोजगारी भी देश का बड़ा मुद्दा है। आंदोलन नहीं रुकेगा। इससे पहले अभिजीत ने पर पोस्ट कर लिखा था- दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन काफी सफल रहा। 17,000 लोगों ने हिस्सा लिया। सरकार ने ट्रेलर देखा कि एकजुट होने पर 'कॉकरोच' क्या कर सकते हैं। बात अभी खत्म नहीं हुई है। अब यह आंदोलन पूरे देश में किया जाएगा। जंतर-मंतर की भीड़ और तस्वीरें खुद बताती हैं कि वहां कौन लोग थे। कितने लोगों को पाकिस्तानी कहा जाएगा? क्या प्रदर्शन कर रहे छात्रों, सवाल पूछने वाले मीडिया और विपक्ष को भी पाकिस्तानी कहा जाएगा? यह आंदोलन है। हमने किसी राजनीतिक दल के नेताओं से बात नहीं की है। कोई समर्थन देना चाहता है तो बाहर से दे सकता है, लेकिन हम किसी पार्टी से नहीं जुड़ेंगे। CJP की तुलना पड़ोसी देशों में हुए आंदोलनों से नहीं की जानी चाहिए। जंतर-मंतर का प्रदर्शन बहुत शांतिपूर्ण था।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार में ई-जागृति को रजत सम्मान

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के विभाग के डिजिटल मंच ढाई-जागृति को उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली में डिजिटल बदलाव और सरकारी प्रक्रियाओं को सरल व तेज बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) की ओर से राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2026 में रजत सम्मान प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार राष्ट्रीय गवर्नेंस के उपयोग से सरकारी प्रक्रियाओं के पुनर्गठन और डिजिटल परिवर्तन श्रेणी में दिया गया है। 1341 नामांकनों के बीच हुए मूल्यांकन के बाद ई-जागृति का चयन किया गया। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने रविवार को बताया कि 01 जनवरी 2025 को शुरू किए गए ई-जागृति मंच ने उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली को डिजिटल, पारदर्शी और अधिक सुलभ बनाया है। इस मंच के जरिए अब तक 2.29 लाख से अधिक उपभोक्ता मामलों दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 2.07 लाख मामलों का निपटारा किया जा



चुका है। मंच की कुल निपटान दर 90.75 प्रतिशत रही है। मंत्रालय के अनुसार, ई-जागृति ने ओएसएमएस, ई-दाखिल, एनसीडीआरसी सीएमएस और कन्वनेट जैसी चार पुरानी प्रणालियों को एकीकृत कर एआई-सक्षम और पूर्णतः पेपरलेस मंच उपलब्ध कराया है। वर्तमान में इस पर 4.15 लाख से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उपभोक्ता अयोगों में 1.65 लाख से अधिक मामले दर्ज हुए, जबकि 1.52 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया गया। इस अवधि में निपटान दर बढ़कर 92.30 प्रतिशत हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 89.47 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बताया कि ढाई-जागृति मंच का उद्देश्य है कि उपभोक्ताओं को रजत सम्मान देना चाहिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के

कोई प्रतिभा पीछे न छूटे। राष्ट्रीय महामंत्री (अभाविप) के डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि भारत की युवा शक्ति हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। यदि इन्हें आधुनिक खेल अवसरचना और वैज्ञानिक प्रशिक्षण मिले, तो भारत को वैश्विक खेल गतिविधियों के माध्यम से तैयार किया जा रहा है, ताकि वे संगठन में अपनी भूमिका को और बेहतर ढंग से निभा सकें। संघ प्रमुख के इस दौर को लेकर मुंगेर में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन



संक्षिप्त समाचार

भीमताल की निजी यूनिवर्सिटी में बड़ा हादसा, करंट लगने से कर्मचारी की जान गई



नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल जिले के भीमताल क्षेत्र में स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। सफाई कार्य के दौरान बिजली की चपेट में आए कर्मचारी को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नैनीताल जिले के भीमताल क्षेत्र के प्राइवेट यूनिवर्सिटी में तैनात एक कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। करंट लगने से अचेत हुए युवक को यूनिवर्सिटी के कर्मचारी भीमताल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। सीएचसी में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस जानकारी के अनुसार तेज सिंह बोहरा (35) नारायण सिंह बोहरा निवासी जमराड़ी ओखलकांडा भीमताल स्थित एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में काम करता था। शनिवार की सुबह 11 बजे अचानक सफाई के दौरान बिजली की लाइन से करंट लग गया। करंट लगने पर यूनिवर्सिटी के कर्मचारी उसे सीएचसी लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। साथ ही पुलिस की ओर से मामले की जांच की जा रही है।

एंबुलेंस की राह के बाधक बने ई-रिक्शा, आपातकालीन सेवाएं हो रही प्रभावित

खटीमा, एजेंसी। उप जिला अस्पताल के गेट और परिसर में ई-रिक्शा के खड़े होने से आपातकालीन सेवाओं में बाधा आ रही है जिससे एंबुलेंस को आवाजाही में दिक्कत होती है। अस्पताल प्रशासन की चेतावनी के बावजूद ई-रिक्शा परिसर में जबरन खड़े हो रहे हैं। खटीमा उप जिला अस्पताल में आपातकालीन सेवाओं के लिए चार एंबुलेंस और दो खुशियों की सवारी वाहन हैं। इसके अलावा कई मरीज ई-रिक्शा से अस्पताल पहुंचते हैं। मरीजों को अस्पताल छोड़ने के बाद ई-रिक्शा चालक डिस्चार्ज होने वाले मरीजों के इंतजार में परिसर में ही खड़े रहते हैं। इससे घायलों को लेकर आने वाली 108 एंबुलेंस के आवाजाही में असुविधा होती है। कई बार एंबुलेंस में गंभीर मरीज भी होते हैं उन्हें तत्काल उपचार की जरूरत होती है। इसके अलावा कई बार प्रसव के बाद जच्चा और बच्चा को स्वास्थ्य विभाग की मिलने वाली सुविधाओं में भी यह बाधक बन जाते हैं। खुशियों की सवारी वाहन के आने में देर होने पर ई-रिक्शा चालक किराया लेकर उन्हें घर तक छोड़ देते हैं।

मेडिकल स्टोर संचालकों से मांगा स्पष्टीकरण

भवाली(नैनीताल), एजेंसी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव व सिविल जज पारुल थपलियाल के नेतृत्व में शुक्रवार को भवाली में सुरक्षित दवा सुरक्षित जीवन अभियान के तहत नौ मेडिकल स्टोरों में औचक निरीक्षण किया गया। यहां एकस्पायरी डेट की दवाओं की जांच की गई। अनियमितता मिलने पर चार मेडिकल स्टोरों के संचालकों को चार दिन के अंदर स्पष्टीकरण देने निर्देश दिए। साथ ही एक मेडिकल स्टोर का क्रय-विक्रय रोकने की कहा गया। यहां वरिष्ठ औषधि निरीक्षक मीनाक्षी बिष्ट, औषधि निरीक्षक अर्चना आदि मौजूद थे।

नियमित वर्कचार्ज कर्मचारी संघ के चुनाव सात को

नैनीताल, एजेंसी। नियमित वर्कचार्ज कर्मचारी संघ के द्विवार्षिक चुनाव रविवार सात जून को प्रांतीय खंड में होंगे, जहां नए पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। इस दौरान कर्मचारियों की समस्याओं और सेवानिवृत्त कर्मियों के पेंशन प्रकरण पर भी चर्चा होगी। मुख्य संयोजक गिरीश जोशी ने चुनाव की घोषणा की है। नगर शाखा अध्यक्ष महेंद्र सिंह बिष्ट ने 150 से अधिक सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने की अपील की।

पिथौरागढ़ में सरकारी स्कूलों से विद्यार्थियों का हो रहा है मोह मंग

पिथौरागढ़, एजेंसी। सीमांत जिले के सरकारी स्कूलों से विद्यार्थियों का मोह भंग हो रहा है। शिक्षा विभाग से मिले आंकड़े इसकी तस्दीक कर रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक एक साल में ही जिले के सरकारी स्कूलों में 4,495 छात्रसंख्या कम हुई है। पिछले शिक्षा सत्र में 24,663 विद्यार्थियों ने सरकारी उच्च प्राथमिक, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट विद्यालयों में नए कक्षाओं में नए प्रवेश कराया था। जिले में 958 प्राथमिक और 142 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 86 हाईस्कूल, 128 इंटरमीडिएट विद्यालय हैं। 30 अप्रैल 2026 तक जारी आंकड़ों के मुताबिक इस शिक्षा सत्र में कक्षा छह से 12वीं तक इन विद्यालयों की छात्रसंख्या 20,168 है। इसमें 9,429 छात्र तो 10,739 छात्राएं शामिल हैं। पिछले शिक्षा सत्र में इन विद्यालयों में 24,663 विद्यार्थी थे। पिछले शिक्षा सत्र की तुलना में इस बार छात्रसंख्या 4,495 घटी है। इसका मुख्य कारण विद्यार्थियों का जिले से बाहर या निजी स्कूलों में प्रवेश लेना है। लगातार घट रही छात्रसंख्या ने विभाग की चिंता भी बढ़ा दी है। हालांकि वर्तमान में भी विद्यालयों में प्रवेश जारी है। छात्र-छात्राओं की ओर से नई कक्षाओं में प्रवेश लिया जा रहा है। इससे विभाग को छात्रसंख्या बढ़ने की उम्मीद है।

तुंगनाथ धाम में श्रद्धालु ने घोड़ा-खच्चर संचालक से की मारपीट, चोपता क्षेत्र में भी पर्यटकों ने मचाया हड़दंग

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध तुंगनाथ धाम में एक तीर्थयात्री द्वारा स्थानीय घोड़ा-खच्चर संचालक के साथ कथित मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में संचालक के सिर पर गंभीर चोट लगने की सूचना है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है और मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग उठने लगी है। वहीं चोपता क्षेत्र में पर्यटकों के हड़दंग का वीडियो सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तुंगनाथ यात्रा मार्ग पर किसी बात को लेकर हुए विवाद के दौरान तीर्थयात्री और घोड़ा-खच्चर संचालक के बीच कहासुनी हो गई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। घटना में संचालक घायल हो गया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि देवभूमि उत्तराखंड अपनी धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक मूल्यों और अतिथि सत्कार की परंपरा के लिए



देशभर में विख्यात है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों से अपेक्षा की जाती है कि वे स्थानीय समाज, संस्कृति और धार्मिक स्थलों की मर्यादा का सम्मान करें। हरियाणा के यात्री यहां आकर मारपीट कर रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता राजेश नेगी ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि चारधाम एवं अन्य धार्मिक यात्राओं के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा, अभद्र व्यवहार अथवा कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली गतिविधियों के लिए कोई

स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं न केवल स्थानीय लोगों की भावनाओं को आहत करती हैं, बल्कि प्रदेश की छवि और धार्मिक स्थलों की गरिमा को भी प्रभावित करती हैं। प्रशासन को ऐसे मामलों में शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई कर यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि देवभूमि में कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से मांग की है कि मामले का तत्काल संज्ञान लेकर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो तथा देवभूमि उत्तराखंड की मर्यादा और सम्मान अक्षुण्ण बना रहे। वहीं, पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने बताया

मामले में जांच की जा रही है।
चोपता से भी वीडियो आया सामने: तुंगनाथ धाम में जहां घोड़ा-खच्चर संचालक से मारपीट की गई तो वहीं मिनी स्विटजरलैंड के नाम से प्रसिद्ध चोपता क्षेत्र में कुछ पर्यटकों जमकर हड़दंगबाजी की, जिसका वीडियो भी सामने आया है। वायरल वीडियो में कुछ युवक वाहनों की छतों पर चढ़कर जोर-जोर से चिल्लाते, शोर-शराबा करते व सार्वजनिक स्थान पर अनुचित व्यवहार करते दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो तुंगनाथ धाम यात्रा मार्ग और चोपता क्षेत्र का है।
पुलिस ने दिए कार्रवाई के निर्देश: मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने कहा कि तुंगनाथ धाम क्षेत्र में हड़दंग मचाने से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर संज्ञान में आए हैं। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

अग्निकांड : देर रात अमेजन के स्टोर में लगी आग, दो कर्मचारियों की मौत



हल्द्वानी, एजेंसी। रामपुर रोड स्थित अमेजन के स्टोर में भीषण आग लग गई। अग्निकांड के दौरान स्टोर में मौजूद दो कर्मचारियों की जलकर मौत हो गई। इस दौरान आग बुझाने के प्रयास में जुटे आसपास के कई लोग झुलस गए। देर रात तक मौके पर दमकल और पुलिस फोर्स तैनात रही। रामपुर रोड पर जीतपुर नेगी क्षेत्र में अमेजन का स्टोर है। शुक्रवार रात करीब साढ़े 11 बजे स्टोर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। पास ही सटे ब्लिंकिट स्टोर

के कर्मचारियों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड और एसपी सिटी मनोज कत्याल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शटर तोड़कर किसी तरह आग बुझाई गई। तब तक स्टोर पूरी तरह जल गया था। वहां सो रहे दो कर्मचारियों की जलने और दम चुटने से मौत हो गई। उनकी पहचान बागजाला गौलापार निवासी नरेंद्र (35) और पंचायतघर निवासी अमित (25) के रूप में हुई। मृतकों के शव एसटीएच भेज दिए गए हैं।

टेंपो, स्कूटी समेत सारा सामान जला अग्निकांड में स्टोर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। स्टोर में चार्जिंग में लगी स्कूटी और वहां खड़ा टेंपो भी जल गया। बताया गया कि हादसे के दौरान स्टोर बंद था और कर्मचारी भीतर मौजूद थे। आग लगने की सूचना पर मिलने पर तत्काल दमकल टीम मौके पर पहुंची। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। दो कर्मचारियों की मौत हुई है। उनकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ, जांच की जा रही है।

काशीपुर में तेज रफतार स्कॉर्पियो ने छात्रों को रौंदा, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

रुद्रपुर, एजेंसी। काशीपुर में सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। राधे हरि महाविद्यालय के सामने तेज रफतार स्कॉर्पियो कार ने स्कूटी सवार छात्र-छात्राओं को टक्कर मार दी। हादसे की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। दुर्घटना में कई छात्र-छात्राएं घायल हुए हैं। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों और छात्रों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों और राहगीरों ने तुरंत घायल छात्रों की मदद की और उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय स्कॉर्पियो की रफतार काफी तेज थी, जिसके कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और यह दुर्घटना हो गई। इस पूरी घटना का वीडियो पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया है। सीसीटीवी फुटेज में दुर्घटना का पूरा घटनाक्रम साफ दिखाई दे रहा है, जो अब जांच का महत्वपूर्ण आधार बन गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने



मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर द स्थानीय छात्रों और क्षेत्रवासियों का कहना है कि महाविद्यालय के दोनों ओर बने स्पीड ब्रेकर काफी समय से घिस चुके हैं। उनकी ऊंचाई कम होने के कारण वाहन चालक यहां अपनी गति कम नहीं करते। जिससे अक्सर दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों का आरोप है कि कई बार प्रशासन को इस संबंध में अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। मामले में क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रशांत कुमार ने बताया कि

अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से लिखित रिपोर्ट या तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। इसके बावजूद पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि कॉलेज क्षेत्र में नए स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं। चेतावनी संकेतक लगाए जाएं। यातायात व्यवस्था को मजबूत किया जाए, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

हरिद्वार कुंभ को लेकर हाईलेवल बैठक कई जिलों के डीएम हुये शामिल



हरिद्वार, एजेंसी। गढ़वाल कमिश्नर की जिम्मेदारी मिलने के बाद आनंद स्वरूप पहली बार हरिद्वार पहुंचे। हरिद्वार में उन्होंने सीसीआर भवन में अधिकारियों के साथ कुंभ मेले की हाई लेवल मीटिंग की। मीटिंग में हरिद्वार, पौड़ी, देहरादून और टिहरी जिलों के डीएम और एसएसपी समेत कई विभागों के अधिकारी शामिल रहे। मीटिंग के दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों से कुंभ मेले के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी

ली। उन्होंने निर्देशित किया कि मानसून से पूर्व डेडलाइन वाले सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने कहा हरिद्वार में दिव्य भव्य कुंभ होगा। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य कर रहे हैं। वहीं दिल्ली में हुए अग्निकांड के सवाल पर कमिश्नर आनंद स्वरूप ने बताया कुंभ मेले से पहले हरिद्वार में भी सभी होटलों, स्कूल कॉलेज और अस्पतालों का सेफ्टी ऑडिट कराया जाएगा।

मेलाधिकारी सोनिका हाई लेवल मीटिंग में नहीं हुई शामिल: कुंभ मेले की हाई लेवल मीटिंग में चार जिलों के डीएम और एसएसपी समेत कई विभागों के अधिकारी शामिल हुए। कुंभ से जुड़ी इस महत्वपूर्ण मीटिंग में किन्हीं कारणों से मेलाधिकारी सोनिका नहीं शामिल नहीं हुईं। उन्होंने ऑनलाइन वीसी के जरिए मीटिंग में भाग लिया। अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मेलाधिकारी सोनिका ने ऑनलाइन वीसी के जरिए मीटिंग में भाग लिया। उनकी जगह अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने गढ़वाल कमिश्नर को स्क्रीन के माध्यम से कुंभ मेले के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी दी।

गढ़वाल कमिश्नर आनंद स्वरूप ने बताया कुंभ मेले के पुलों, गंगा घाटों समेत अन्य निर्माण कार्य मानसून से पहले पूर्ण कर लिए जाएंगे। बरसात के बाद रंगई पुताई का कार्य शुरू होगा। मानसून के बाद अस्थायी कार्यों को भी तय समय में पूर्ण कर लिया जाएगा।

पेयजल लाइन लीक, दूषित पानी पीने को मजबूर ग्रामीण



विकासनगर/हरबर्टपुर, एजेंसी। धर्मावाला क्षेत्र के रामगढ़ स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के निकट पेयजल लाइन लीक होने से ग्रामीणों के सामने कठिन स्थिति उत्पन्न हो गई है। लाइन को ठीक नहीं कराने से ग्रामीणों को दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। नाराज ग्रामीणों ने जल संस्थान के विरुद्ध आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

रामगढ़ गांव के ग्रामीणों को पानी की आपूर्ति देने वाली पेयजल लाइन पिछले काफी दिनों से लीक है। जिस स्थान पर लीकेज है वहां गंदे पानी का गहरा गड्ढा बना हुआ है जिसमें भारी मात्रा में कीचड़ व गंदगी जमा है। यहां से दूषित पानी लाइन से होकर लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। स्थानीय निवासी

बबलू कश्यप, मदन, वीरेंद्र चौहान, सीता कुमारी, रमेश सैनी, मुन्नु आदि ने बताया दूषित पानी के संबंध में कई बार जल संस्थान के अधिकारियों से शिकायत की गई है लेकिन अभी तक लाइन को ठीक करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। उन्होंने बताया दूषित पानी पीने से लोगों में संक्रमण होने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा यदि शीघ्र ही लाइन को ठीक नहीं किया गया तो ग्रामीण धरना, प्रदर्शन, धेराव व उग्र आंदोलन करेंगे जिसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी। उधर जल संस्थान के अपर सहायक अभियंता सूरज कुमार ने बताया लाइन के लीक होने के संबंध में जानकारी मिली है तत्काल उसकी मरम्मत कराकर समस्या का समाधान कराया जाएगा।

पिंडर नदी में पोकलैंड से रिवर ड्रेजिंग पर उठे सवाल, फिर विवादों में आया अभ्युदय स्टोन क्रशर

चमोली, एजेंसी। थराली विकासखंड के चेपड़ों गांव के नीचे पिंडर नदी में चल रहे रिवर ड्रेजिंग कार्य को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने नदी में भारी भ्रूखम पोकलैंड मशीनों के उपयोग पर सवाल खड़े किये हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि नियमों की अनदेखी कर खनन कार्य किया जा रहा है। प्रशासन को गुमराह किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि रिवर ड्रेजिंग कार्यों में सामान्यतः भारी मशीनों के उपयोग की अनुमति केवल विशेष परिस्थितियों में ही दी जाती है, लेकिन चेपड़ों क्षेत्र में ऐसी कोई असाधारण स्थिति दिखाई नहीं देती। इसके बावजूद पिंडर नदी के बीचों-बीच पोकलैंड मशीनों से खनन और सामग्री निकाली का कार्य जारी है। जिससे नदी के स्वरूप और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। यह भी आरोप लगाया कि ड्रेजिंग से निकाली जा रही आईबीएम

सामग्री के परिवहन में लगे भारी वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे आड़े-तिरछे खड़े किए जा रहे हैं। जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। उनका कहना है कि संबंधित विभागों और प्रशासन को इस ओर तत्काल ध्यान देना चाहिए। इससे पहले थराली और आसपास के क्षेत्रों में हुए रिवर ड्रेजिंग कार्यों में भारी मशीनों के उपयोग पर प्रतिबंध रहा है, लेकिन इस बार अधिकारी नियमावली का हवाला देकर पोकलैंड मशीनों के इस्तेमाल को उचित ठहरा रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या मशीनों के उपयोग के लिए निर्धारित मानकों और शर्तों का पालन किया गया है। इस पूरे मामले में जिला खान अधिकारी अंकित चंद्र ने बताया चेपड़ों गांव के नीचे चल रहे रिवर ड्रेजिंग कार्य में मशीनों के उपयोग की अनुमति प्रदेश खनन मुख्यालय द्वारा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कार्य स्वीकृत नियमों और शर्तों



के तहत किया जा रहा है।
फिर विवादों में अभ्युदय स्टोन क्रशर: थराली विकासखंड अंतर्गत सुनला में संचालित अभ्युदय स्टोन क्रशर एक बार



फिर विवादों के केंद्र में आ गया है। ग्राम प्रधान सुनला ने स्टोन क्रशर के संचालन में पर्यावरणीय मानकों और खनन नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए इसकी जांच

की मांग उठाई है। इस संबंध में ग्राम प्रधान द्वारा पूर्व में उपजिलाधिकारी थराली को ज्ञापन सौंपा गया था, जिस पर अरब प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए जांच की संस्तुति कर दी है। सुनला ग्राम प्रधान भगवती प्रसाद जोशी ने आरोप लगाया है कि अभ्युदय स्टोन क्रशर का संचालन खनिज अधिनियम 1957 तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधानों के विपरीत किया जा रहा है। शिकायत में कहा गया है कि क्रशर स्थापना के समय ग्राम सभा की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार स्टोन क्रशर से निकलने वाले दूषित पानी को सीधे पिंडर नदी में छोड़ा जा रहा है। जिससे नदी के प्रदूषित होने की आशंका बनी हुई है। इसके अलावा संचालन के दौरान अत्यधिक धूल उड़ने से आसपास के पर्यावरण और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY. THIS IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.



(Scan this QR to view the RHP and abridged prospectus)

SUSAN ELECTRICALS INDIA LIMITED

Corporate Identification Number: U31908DL2007PLC171215

Our Company was incorporated as "Suvish Insulation Private Limited" on December 10, 2007, under the provisions of the Companies Act, 1956, pursuant to a Certificate of Incorporation issued by Registrar of Companies, National Capital Territory of Delhi and Haryana. Pursuant to a Special Resolution passed by the shareholders at the Extraordinary General meeting held on January 06, 2010 the name of our Company was changed from "Suvish Insulation Private Limited" to "Susan Electricals India Private Limited" vide a fresh certificate of incorporation dated January 13, 2010, issued by the Registrar of Companies, National Capital Territory of Delhi and Haryana. Subsequently, our Company was converted from private limited to public limited, pursuant to special resolution passed by the shareholders of the Company at the Extraordinary General Meeting held on November 26, 2025 and the name of our Company was changed from "Susan Electricals India Private Limited" to "Susan Electricals India Limited" vide fresh certificate of incorporation dated December 05, 2025 issued by the Registrar of Companies, Central Processing Centre.

Registered Office: 1703, Nirmal Tower, 26, Barakhamba Road, Connaught Plaza, New Delhi, India, 110001.

Corporate office: E5, Inika, 2nd Floor, Near Kamal Dhaba, Chander Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh, India, 201011.

Tel No: 0120-4331296 | **E-mail:** office@seil.net.in | **Website:** https://seil.net.in

Contact Person: Reshma Shukla, Company Secretary & Compliance Officer.

THE PROMOTERS OF OUR COMPANY ARE VISHAL JAIN AND MAHAK JAIN.

THE OFFER

INITIAL PUBLIC OFFER OF UPTO 55,42,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH (THE "EQUITY SHARES") OF SUSAN ELECTRICALS INDIA LIMITED ("OUR COMPANY" OR "SEIL" OR "THE ISSUER") AT AN OFFER PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹ [●] LAKHS ("PUBLIC OFFER") COMPRISING OF A FRESH ISSUE OF UPTO 47,42,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS (THE "FRESH ISSUE") AND AN OFFER FOR SALE OF UPTO 8,00,000 EQUITY SHARES BY THE PROMOTER SELLING SHAREHOLDER, VISHAL JAIN ("OFFER FOR SALE") AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS, (HEREINAFTER REFERRED AS "PROMOTER SELLING SHAREHOLDER") OUT OF WHICH 4,58,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH, AT AN OFFER PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING ₹ [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE OFFER (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE PUBLIC OFFER LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. OFFER OF 50,84,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH, AT AN OFFER PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH AGGREGATING ₹ [●] LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET OFFER". THE PUBLIC OFFER AND NET OFFER WILL CONSTITUTE 27.26% AND 25.01 % RESPECTIVELY OF THE POST- OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

PRICE BAND: ₹ 120/- to ₹ 127/- PER EQUITY SHARE OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH

THE FLOOR PRICE IS 12.00 TIMES THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES AND THE CAP PRICE IS 12.70 TIMES OF THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES.

THE PRICE TO EARNING RATIO BASED ON DILUTED EPS FOR FISCAL 2026 AT THE FLOOR PRICE IS 10.03 TIMES AND AT THE CAP PRICE IS 10.62 TIMES.

BIDS CAN BE MADE FOR A MINIMUM OF 2000 EQUITY SHARES AND IN MULTIPLES OF 1000 EQUITY SHARES THEREAFTER

OFFER PROGRAM

ANCHOR INVESTOR BIDDING DATE: WEDNESDAY, JUNE 10, 2026

BID/OFFER OPENS ON: THURSDAY, JUNE 11, 2026

BID/OFFER CLOSES ON: MONDAY, JUNE 15, 2026 ^

^ UPI mandate end time shall be at 05:00 pm on the Bid/Offer closing date.

BRIEF DESCRIPTION OF THE BUSINESS OF THE COMPANY

We are engaged in the manufacturing of aluminium and copper-based electrical winding wires, conductors and cables in various specifications, sizes and configurations.

THIS OFFER IS MADE THROUGH BOOK BUILDING PROCESS, IN TERMS OF CHAPTER IX OF THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018 (THE "SEBI (ICDR) REGULATIONS"), AS AMENDED READ WITH RULE 19(2)(B) OF SECURITIES CONTRACT (REGULATION) RULES, 1957, AS AMENDED.

THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF BSE ("BSE SME"). BSE SHALL BE THE DESIGNATED STOCK EXCHANGE

ALLOCATION IN THE OFFER

QIB PORTION	NOT MORE THAN 25,39,000 EQUITY SHARES I.E. 49.94% OF THE NET OFFER
INDIVIDUAL PORTION	NOT LESS THAN 17,80,000 EQUITY SHARES I.E. 35.01% OF THE NET OFFER
NON-INSTITUTIONAL PORTION	NOT LESS THAN 7,65,000 EQUITY SHARES I.E. 15.05% OF THE NET OFFER
MARKET MAKER PORTION	4,58,000 EQUITY SHARES I.E. 8.26 % OF THE OFFER

IN MAKING AN INVESTMENT DECISION, POTENTIAL INVESTORS MUST ONLY RELY ON THE INFORMATION INCLUDED IN RED HERRING PROSPECTUS AND THE TERMS OF THE OFFER, INCLUDING THE RISKS INVOLVED AND NOT RELY ON ANY OTHER EXTERNAL SOURCES OF INFORMATION ABOUT THE OFFER AVAILABLE IN ANY MANNER.

In accordance with the recommendation of the Independent Directors of our Company, pursuant to their resolution dated June 06, 2026 the above provided price band is justified based on quantitative factors/ KPIs disclosed in the 'Basis for Offer Price' section beginning on page 94 of the Red Herring Prospectus vis-a-vis the weighted average cost of acquisition ("WACA") of primary and secondary transaction(s), as applicable, disclosed in "Basis for Offer Price" section on page 94 of the Red Herring Prospectus and provided below in the advertisement.

RISKS TO INVESTORS

1. Risk to Investors: Summary description of key risk factors based on materiality:

- We derive a major portion of our revenue from Government customers, particularly state-owned electricity distribution utilities ("DISCOMs"), and any reduction in Government expenditure, adverse changes in procurement policies or failure to secure tenders may adversely affect our business, financial condition, results of operations and cash flows.
- We derive a significant portion of our revenue from the sale of our key product, namely Low Tension ("LT") cables. Any decline in demand

for LT cables could have an adverse effect on our business, results of operations and financial condition.

- We have recently commenced manufacturing of Low Tension (LT) cables in Fiscal 2023-24 and High Tension (HT) cables in Fiscal 2025-26 and given our limited operating history in these product categories, we may face operational, technical and commercial challenges that could adversely affect our business, financial condition, results of operations and future growth prospects.
- Majority of our revenue is derived from a limited number of customers, and any reduction in orders from such customers may adversely affect our business, financial condition, results of operations and cash flows.

(Continued next page...)

(Continued from previous page...)

- e) Our Company had negative cash flows in the past, details of which are given below. Sustained negative cash flow could impact our growth and business.
- f) We derive a significant portion of our revenue from trading activities, which is a relatively low-margin and competitive business and may expose us to risks that could adversely affect our financial performance.
- g) We are dependent on the performance of the cables market and any adverse changes in the conditions affecting the cables market can adversely impact our business, financial condition, results of operations, cash flows and prospects.
- h) We have significant power and fuel requirements and any disruption to power sources could increase our production costs and adversely affect our results of operations and cash flows.
- i) We are significantly dependent on a limited number of suppliers for procurement of our raw materials, with which we do not have any long-term agreements and any disruption in supply or volatility in raw material prices may adversely affect our business, financial condition, results of operations and cash flows.
- j) There have been certain discrepancies, errors and delays in filings relating to forms submitted with the Registrar of Companies ("RoC") under the provisions of the Companies Act, 2013/1956 and the rules made thereunder. In addition, certain historical corporate secretarial records are presently untraceable. Any penalty or action taken by any regulatory authorities in future, for non-compliance with provisions of corporate and other law could impact the reputation and financial position of the Company to that extent.
- k) Average cost of acquisition of Equity Shares held by the Individual Promoters is:

Sr. No.	Name of the Promoters	No. of Shares held	Average cost of Acquisition (in ₹)
1.	Vishal Jain	1,44,15,535	1.38
2.	Mahak Jain	-	-

The Offer Price at the upper end of the Price Band is ₹ 127 per Equity Share.

- The Price/ Earnings ratio based on Diluted EPS for Fiscal 2026 for the company at the upper end of the Price Band is 10.62 times.
- Weighted Average Return on Net worth for Fiscals 2026, 2025 and 2024 is 36.21%.

2. Details of suitable ratios of the company and its peer group for the latest full financial year:

Name of Company	Current Market Price (₹)	Face Value	EPS (Basic)/ (Diluted)	PE	RoNW (%)	Book Value (₹)	Total Revenue (₹ In lakhs)
Susan Electricals India Limited	10.00	10.00	11.96	●	47.42%	24.68	26,996.47
Peer Group							
Prime Cable Industries Limited	112	5	6.68	16.77	20.14%	33.17	23,581.03
Divine Power Energy Limited	502	10	10.83	46.35	20.69%	51.71	62,748.22
V-Marc India Limited	1143	10	40.97	27.904	34.56%	118.55	1,80,047.98

* We have mentioned listed peer which falls in the similar line of business as of our Company for broad comparison purpose.

Notes: Source – All the financial information for listed industry peer mentioned above is sourced from the Financial Results and prospectus of the aforesaid companies for the year ended March 31, 2026 and stock exchange data dated May 26, 2026 to compute the corresponding financial ratios. Also wherever such ratios were not readily available in the financial results or other publicly available documents, the same have been computed by the Company.

- For our Company, we have taken Current Market Price as the offer price of equity share. Further, P/E Ratio is based on the current market price of the respective scrips.
- The EPS, NAV, RoNW and total Revenue of our Company are taken as per Restated Financial Statement for the F.Y. 2025- 26.
- NAV per share is computed as the closing net worth divided by the closing number of paid-up equity shares as on March 31, 2026.
- RoNW has been computed as net profit after tax divided by closing net worth.
- Net worth has been computed in the manner as specified in Regulation 2(1) (hh) of SEBI (ICDR) Regulations, 2018.
- The face value of Equity Shares of our Company is ₹ 10/- per Equity Share and the Offer price is [●] times the face value of equity share.

3. Weighted average return on net worth for the last 3 FYs.

S.No.	Period	RONW	Weights
1.	Financial year ending March 31, 2026	47.42%	3
2.	Financial year ending March 31, 2025	31.43%	2
3.	Financial year ending March 31, 2024	12.17%	1
Weighted Average		36.21%	6

Note:

- The figures disclosed above are based on the Restated Financial Statements of the Company.
- The RoNW has been computed by dividing restated net profit after tax (excluding exceptional items) with restated Net worth as at the end of the year
- Weighted average = Aggregate of year-wise weighted RoNW divided by the aggregate of weights i.e. (RoNW x Weight) for each year/Total of weights.

4. Weighted average cost of acquisition of all the shares transacted in the three years, 18 months and one year preceding the date of the Red Herring Prospectus

Period	Weighted Average Cost of Acquisition (in ₹)	Cap Price is 'X' times the Weighted Average Cost of Acquisition	Range of acquisition price: Lowest Price – Highest Price (in ₹)
Last one year	13.02	9.75	0-129
Last eighteen months	12.15	10.45	0-129
Last three years	9.12	13.93	0-129

5. Disclosures as per clause (9)(K)(4) of Part A to Schedule VI:

- a) Price per share of our Company (as adjusted for corporate actions, including split) based on primary issuances of Equity Shares or convertible securities (excluding Equity Shares issued under employee stock option schemes and issuance of Equity Shares pursuant to a bonus issue) during the eighteen months preceding the date of this Red Herring Prospectus, where such issuance is equal to or more than 5% of the fully diluted paid-up share capital of our Company (calculated based on the pre-offer capital before such transaction(s) and excluding ESOPs granted but not vested) in a single transaction or multiple transactions combined together over a span of rolling 30 days ("Primary Issuances")

The details of such Primary Issuances made by our Company is mentioned below:

Date of Allotment	No. of equity Shares allotted	Face Value	Issue price per equity share (₹)	Nature of allotment	Nature of allotment	Total Consideration (in ₹)
December 28, 2024	12,00,000	10/-	30/-	Conversion of Loan to Equity shares	Cash	360
March 29, 2025	8,40,000	10/-	30/-	Conversion of Loan to Equity shares	Cash	252
November 15, 2025	1,74,420	10/-	129/-	Private Placement	Cash	225

- b) The Price per share of our Company (as adjusted for corporate actions, including split) based on secondary sale or acquisition of equity shares or convertible securities (excluding gifts) involving our Promoters, members of the Promoter Group, Selling Shareholder, or Shareholder(s) having the right to nominate Director(s) on our Board during the eighteen months preceding the date of filing of this Draft Red Herring Prospectus, where the acquisition or sale is equal to or more than 5% of the fully diluted paid-up share capital of our Company (calculated based on the pre-Offer capital before such transaction/s and excluding ESOPs granted but not vested), in a single transaction or multiple transactions combined together over a span of rolling 30 days ("Secondary Transactions")

There have been no Secondary Transactions of the Equity Shares or convertible securities of our Company during the eighteen months preceding the date of this Red Herring Prospectus, where such issuance is equal to or more than 5% of the fully diluted paid-up share capital of our Company in a single transaction or multiple transactions combined together over a span of rolling 30 days.

Based on the above transactions, below are the details of the weighted average cost of acquisition, as compared to the Floor Price and the Cap Price:

Weighted average cost of acquisition & Cap price:

Types of transactions	Weighted average cost of acquisition (₹ per Equity Shares)	Floor Price (i.e. ₹ 120)	Offer price (i.e. ₹ 127)
Weighted average cost of acquisition of primary issuance	12.60	9.52	10.08
Weighted average cost of acquisition of secondary transactions	NA	NA	NA

* To be updated at Prospectus stage.

ADDITIONAL INFORMATION FOR INVESTORS

- Details of proposed /undertaken pre-offer placements from the DRHP filing date - Our Company has not undertaken any Pre-IPO Placements from the DRHP filing date.
- Transaction of shares aggregating up to 1% or more of the paid-up equity share capital of the company by promoter(s) and promoter group(s) from the DRHP filing date:

Date of Transfer	Name of Transferor	Name of Transferee	No. of Equity shares transferred	Transfer price per share*	Nature of Transaction	Consideration
May 06, 2026	Mahak Jain	Vishal Jain	6,65,010	Nil	Gift	-
May 29, 2026	Vishal Jain	Gracious Advisors LLP	6,50,000	122	Cash	7,93,00,000

3. Pre Issue Shareholding of Promoter / Promoter Group and Additional Top 10 Shareholders of the Company:

Sr. No.	Name	Pre offer		Post-offer shareholding as at Allotment**			
		No. of Equity Shares of face value of ₹10 each	Percentage of pre-offer Equity Share capital (%)	At the lower end of the price band (₹ 120)		At the upper end of the price band (₹ 158)	
				Number of Equity Shares of face value of ₹10 each	Percentage of post offer Equity Share capital (%)	Number of Equity Shares of face value of ₹10 each	Percentage of post offer Equity Share capital (%)
Promoters (A)							
1	Vishal Jain	1,44,15,535	92.47	1,36,15,535	66.97	1,36,15,535	66.97
2	Mahak Jain	-	-	-	-	-	-
Sub Total (A)		1,44,15,535	92.47	1,36,15,535	66.97	1,36,15,535	66.97
Promoter Group (B)							
Sub Total (B)		-	-	-	-	-	-
Top 10 shareholders other than the above (C)							
1	Gracious Advisors LLP	6,50,000	4.17	6,50,000	3.20	6,50,000	3.20
2	CCV Emerging Opportunities Fund-I	1,70,880	1.10	1,70,880	0.84	1,70,880	0.84
3	Swapna Agrawal	1,05,000	0.67	1,05,000	0.52	1,05,000	0.52
4	Rinku Kumar Agrawal	69,900	0.45	69,900	0.34	69,900	0.34
5	Pradeep Somani	63,840	0.41	63,840	0.31	63,840	0.31
6	Sanjeev Kumar	45,000	0.29	45,000	0.22	45,000	0.22
7	Divyansh Agrawal	42,240	0.27	42,240	0.21	42,240	0.21
8	Sanjeev Kumar Khandelwal	15,000	0.10	15,000	0.07	15,000	0.07
9	Jyoti Jain	11,400	0.07	11,400	0.06	11,400	0.06
Sub Total (C)		11,73,260	7.53	11,73,260	5.77	11,73,260	5.77
TOTAL (A+B+C)		1,55,88,795	100	1,47,88,795	72.74	1,47,88,795	72.74

*Subject to completion of the offer and finalization of the Basis of Allotment.

Notes:

1) Assuming full subscription in the offer (fresh issue and Offer for sale). The post-offer shareholding details as at allotment will be based on the actual subscription and the final offer price and updated in the prospectus, subject to finalization of the basis of allotment. Also, this table assumes there is no transfer of shares by these shareholders between the date of the advertisement and allotment (if any such transfers occur prior to the date of prospectus, it will be updated in the shareholding pattern in the prospectus).

BASIS FOR OFFER PRICE



The "Basis for Offer Price" on page 94 of the RHP has been updated with the above price band. Please refer to the website of the BRLM (<https://serencapital.in/offer-documents.php>) or scan the given QR code for the "Basis for Offer Price" updated with the above price band.

INDICATIVE TIMELINES FOR THE OFFER

An indicative timetable in respect of the Offer is set out below:

Sequence of activities	Listing within T+3 days (T is offer closing date i.e. June 15, 2026)
Bid/Offer Period (except the Bid/ Offer Closing Date) (other than Bids from Anchor Investors)	
Submission and Revision in Bids	Only between 10.00 a.m. and 5.00 p.m. (Indian Standard Time ("IST"))
Bid/ Offer Closing Date* (i.e. June 15, 2026) (other than Bids from Anchor Investors)	
Submission of Electronic Applications (Online ASBA through 3-in-1 accounts)	Only between 10.00 a.m. and up to 5.00 p.m. IST
Submission of Electronic Applications (Bank ASBA through Online channels like Internet Banking, Mobile Banking and Syndicate UPI ASBA applications)	Only between 10.00 a.m. and up to 4.00 p.m. IST
Submission of Physical Applications (Bank ASBA)	Only between 10.00 a.m. and up to 1.00 p.m. IST
Submission of Physical Applications (Syndicate Non-Individuals, Non individual Applications of QIBs and NII's)	Only between 10.00 a.m. and up to 12.00 p.m. IST
Bid Revision/Modification	Only between 10.00 a.m. on the Bid/ Offer Opening Date and up to 5.00 p.m. IST on Bid/ Offer Closing Date
Validation of bid details with depositories	From Offer opening date up to 5 pm on Monday, June 15, 2026.
Reconciliation of UPI mandate transactions (Based on the guidelines issued by NPCI from time to time): Among Stock Exchanges – Sponsor Banks – NPCI and NPCI – PSPs/TPAPs** – Issuer Banks; Reporting formats of bid information, UPI analysis report and compliance timelines.	On daily basis Merchant Bankers to submit to SEBI, sought as and when.
UPI Mandate acceptance time	Monday, June 15, 2026– 5 pm
Issue Closure T day	Monday, June 15, 2026– 4 pm for QIB and NII categories Monday, June 15, 2026– 5 pm for Individual investors and other reserved categories
Third party check on UPI applications	On daily basis and to be completed before 9:30 AM on Tuesday, June 16, 2026
Third party check on Non-UPI applications	On daily basis and to be completed before 1 pm on Tuesday, June 16, 2026.
Submission of final certificates: -For UPI from Sponsor Bank -For Bank ASBA, from all SCSBs -For syndicate ASBA UPI ASBA	Before 09:30 pm on Monday, June 15, 2026. All SCSBs for Direct ASBA – Before 07:30 pm on Monday, June 15, 2026. Syndicate ASBA - Before 07:30 pm on Monday, June 15, 2026
Finalization of rejections and completion of basis	Before 6 pm on Tuesday, June 16, 2026
Approval of basis by Stock Exchange	Before 9 pm on Tuesday, June 16, 2026.
Issuance of fund transfer instructions in separate files for debit and unblock. For Bank ASBA and Online ASBA – To all SCSBs For UPI ASBA – To Sponsor Bank	Initiation not later than 09:30 am on Wednesday, June 17, 2026; Completion before 2 pm on Wednesday, June 17, 2026 for fund transfer; Completion before 4 pm on Wednesday, June 17, 2026 for unblocking.
Corporate action execution for credit of shares	Initiation before 2 pm on Wednesday, June 17, 2026, Completion before 6 pm on Wednesday, June 17, 2026.
Filing of listing application with Stock Exchanges and issuance of trading notice	Before 7:30 pm on Wednesday, June 17, 2026.
Publish allotment advertisement	On website of Issuer, Merchant Banker and RTI - before 9 pm on Wednesday, June 17, 2026 In newspapers – On Thursday, June 18, 2026
Trading starts T+3 day	Trading starts On Thursday, June 18, 2026.

*UPI mandate end time and date shall be at 5:00 pm on the Bid/Offer Closing Date

**Individual investors, QIBs and Non-Institutional Investors can neither revise their bids downwards nor cancel/ withdraw their Bids.

ASBA*	Simple, Safe, Smart way of Application- Make use of it!!!	*Application Supported by Blocked Amount (ASBA) is a better way of applying to issues by simply blocking the fund in the bank account, investors can avail the same. For further details check the section on ASBA below.	Mandatory in Public Issues from January 01, 2016. No cheque will be accepted.
--------------	---	---	---

UPI – Now mandatory in ASBA for Retail Investors applying through Registered Brokers, DPs & RTAs. Retail Investors also have the options to submit the application directly to the ASBA Bank (SCSBs) or to use the facility of linked online trading, demat and bank account. ** Investors are required to ensure that the Bank Account used for applying is linked to their PAN.

*ASBA has to be availed by all the investors except Anchor Investors (if any). UPI may be availed by RILs.

For details on the ASBA and UPI process, please refer to the details given in ASBA Form and abridged prospectus and also please refer to the section "Offer Procedure" beginning on page 306 of the Red Herring Prospectus. The process is also available on the website of SEBI and Stock Exchanges in the General Information Document. ASBA Forms can be downloaded from the website of SME platform of BSE ("BSE SME" or "Stock Exchange") and can be obtained from the list of banks that is displaying on website of SEBI at www.sebi.gov.in.

** List of banks supporting UPI is also available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in. For the list of UPI Apps and Banks live on IPO, please refer to the link: www.sebi.gov.in. Kotak Mahindra Bank Limited has been appointed as Sponsor Bank for the Offer in accordance with the requirements of the SEBI Circular dated November 1, 2018, as amended.

In case of any revisions in the Price Band, the Bid/ Offer Period will be extended by at least three additional Working Days after such revision of the Price Band, subject to the Bid/offer Period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Company may, for reasons to be recorded in writing, extend the Bid/ offer Period for a minimum of one Working Day, subject to the Bid/ offer Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band and the revised Bid/ offer Period, if applicable, will be widely disseminated by notification to the Stock Exchange, by issuing a press release, and also by indicating the change on the website of the Book Running Lead Manager and the terminals of the other members of the Syndicate and by intimation to SCSBs, the Sponsor Bank, Registered Brokers, Collecting Depository Participants and Registrar and Share Transfer Agents.

(Continued next page...)

सांक्षिप्त खबरें

नाम सिद्धार्थ, काम अधूरा

मानेसर। सेक्टर-95 स्थित सिद्धार्थ एनसीआर वन सोसाइटी के निवासी इन दिनों कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। लोगों का कहना है कि सोसाइटी के आसपास बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण उन्हें योजना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि सोसाइटी का नाम कहने को सिद्धार्थ है, जिसका अर्थ सफल काम या पूर्णकाम होता है लेकिन यहाँ सभी काम अधूरे हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार वजीरपुर से पटौदी की ओर जाने वाली सड़क के बीच बनी ईंटों की बैरिकेडिंग काफी खराब हो चुकी है। इससे सड़क पर दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। यहाँ सड़क पर स्पीड ब्रेकर नहीं होने के कारण वाहन तेज गति से गुजरते हैं, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। निवासियों ने बिजली कटौती की समस्या भी उठाई है। उनका कहना है कि पिछले कुछ समय से सुबह और शाम के समय बार-बार बिजली जा रही है। सोसाइटी में लगातार ही रही बिजली कटौती लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। निवासियों का कहना है कि योजना सुबह करीब 6 बजे और शाम 7 बजे के आसपास बिजली चली जाती है। ईशा, सोसाइटी निवासी सोसाइटी में बंदरों की समस्या भी काफी समय से बनी हुई है। कई बार बंदरों की समस्या को लेकर शिकायत निगम को दी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। रवि त्रिवेदी, संयुक्त सचिव एओए एनसीआर वन 95 सोसाइटी के पास पटौदी रोड पर कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है, ऐसे में यहाँ पर तेज गति से वाहन दौड़ते हैं जिससे लगातार इलाके में सड़क हादसे का खतरा बढ़ रहा है। जयपाल सांगवान, एओए सदस्य सोसाइटी का सीवेरज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) भी सटी तरीके से काम नहीं कर रहा है। इसके कारण कई बार सीवर का गंदा पानी वापस भरकर आने लगता है, जिससे परेशानी होती है। अमित बुध्वा सोसाइटी में बारिश के दौरान जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण कई जगह पानी जमा हो जाता है। जलभराव की वजह से आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जल संकट के बीच भारी पड़ रही पानी की बबार्दी

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले में गहराते जल संकट के बीच पानी की बबार्दी भारी पड़ रही है। नगर निगम की सखी के बावजूद लोग पीने के साफ पानी को व्यर्थ बहाने से बाज नहीं आ रहे हैं। एक तरफ जहाँ शहर के कई इलाके बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ धड़ल्ले से हो रही पानी की बबार्दी स्थिति को और गंभीर बना रही है। इस लापरवाही पर लगाम लगाने के लिए नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया के निर्देश पर चारों जगह में एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निगम की टीम ने पानी का दुरुपयोग करने वाले 80 लापरवाह नागरिकों को पकड़ कर उनके चालान काटे हैं। इन सभी पर कार्रवाई करते हुए अब तक कुल एक लाख 60 हजार रुपये का जुमाना लगाया जा चुका है। प्रशासन



ने साफ चेतावनी दी है कि जल संकट के इस दौर में पानी की हर बूंद कीमती है, और भविष्य में बबार्दी करने वालों पर इससे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सी ब्लॉक में मकान संख्या 800 की लाइन में काफी कम प्रेशर में पानी आ रहा है। ब्रूस्टिंग स्टेशनों पर जो नए मोटर लगे थे, वे पूरी तरह फंक्शनल नहीं हैं। कुछ मोटरों की मरम्मत

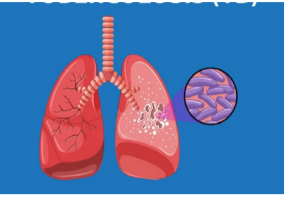
को भी जरूरत है। दीपक वर्मा, आरडब्ल्यू अध्यक्ष सुशांत लोक वन रामप्रस्था सिटी में 750 केएलडी पानी की जरूरत है मगर 300 से 350 केएलडी ही मिल रहा है। ऐसे में सोसाइटी में टैंकर मंगाकर पानी का काम चलाना पड़ रहा है। टैंकर के पानी की गुणवत्ता सही नहीं होती है। अतनु भट्टाचार्य, रामप्रस्था सिटी सेक्टर 37 डी जुलाई 2022 में जब

बिल्डर से टाउनशिप निगम को हस्तांतरित हुई थी तब से पंप, मोटर आदि का रखरखाव गणप्य रह गया है। टाउनशिप के लिए 34 लाख लीटर पानी देने तय है मगर स्टोरेज के लिए युजी टैंक 9 लाख की क्षमता का है। सुदक्षणा लाहा, आरडब्ल्यू महासचिव, सुशांत लोक श्री अंतिम छोर पर होने के कारण डीएलएफ फेज-2 के लोग हर साल

गर्मी में पानी के लिए जूझते हैं। 8 साल पहले यहाँ जे ब्लॉक में टैंक बनाने के लिए टेंडर तक बात गई थी मगर आज तक टैंक नहीं बना। जीएमडीए से काफी कम पानी मिल रहा है। अनिल नंदा, डीएलएफ फेज-इलाके में काफी कम पानी मिल रहा है। इलाके में पानी जरूरत और उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट होना चाहिए। कुछ समरसिबल भी बंद हो गए क्योंकि बगैर भूमि की जांच किए उन्हें बना दिया गया है, बाद में उसमें से गंदा पानी आने के कारण उसे बंद करना पड़ा। पवन यादव, आरडब्ल्यू अध्यक्ष सुशांत लोक 2-3 हमारी सोसाइटी में 600 परिवार रहते हैं। सोसाइटी के लिए 6 लाख लीटर पानी प्रति दिन के लिए स्वीकृत है मगर बमुश्किल एक से डेढ़ लाख लीटर पानी मिल रहा है। काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

टीबी मरीजों की पहचान और निगरानी बेहतर होगी

प्रातः किरण संवाददाता



फरीदाबाद। स्मार्ट सिटी में लगातार बढ़ रहे टीबी के मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। जिले में पिछले एक वर्ष के दौरान टीबी मरीजों की संख्या में करीब 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बढ़ते मामलों पर प्रभावी नियंत्रण और मरीजों की बेहतर पहचान और निगरानी के लिए स्वास्थ्य विभाग ने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सार्वजनिक-निजी सहायता एजेंसी के चुनन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस योजना पर करीब एक करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में जिले में 9410 टीबी मरीजों की पहचान हुई थी, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 10649 तक पहुंच गई। यानी एक साल में करीब 1239 मरीज बढ़े।

वहीं वर्ष 2026 के पहले तीन महीनों में ही 2131 नए मरीज सामने आ चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यही रफ्तार जारी रही तो इस वर्ष भी मरीजों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में बड़ी संख्या में लोग निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में इलाज कराते हैं। ऐसे में कई मरीज स्वास्थ्य विभाग के रिकॉर्ड में समय पर दर्ज नहीं हो पाते। प्रस्तावित पीपीएसए/एजेंसी निजी स्वास्थ्य संस्थानों और सरकारी स्वास्थ्य विभाग के बीच सेतु का कार्य करेगी। इससे टीबी मरीजों

की समय पर पहचान, रिपोर्टिंग, उपचार और फॉलोअप व्यवस्था मजबूत होगी साथ ही मरीजों को सरकारी योजनाओं और निःशुल्क दवा सुविधाओं से भी जोड़ा जा सकेगा। टीबी नियंत्रण अभियान के सामने स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल बीके अस्पताल में टीबी मरीजों के लिए अलग से विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध नहीं हैं। मरीजों को सामान्य ओपीडी में ही उपचार कराना पड़ता है। इसके अलावा अस्पताल में टीबी मरीजों के लिए अलग वार्ड या भर्ती सुविधा भी नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि सामान्य मरीजों और टीबी संक्रमित मरीजों का एक ही स्थान पर उपचार संक्रमण के खतरे को बढ़ा सकता है। ऐसे में अलग ओपीडी और विशेष वार्ड की व्यवस्था की आवश्यकता लंबे समय से महसूस

सेक्टर-29 के फुटपाथ बनेंगे सुरक्षित और आकर्षक

प्रातः किरण संवाददाता

बादशाहपुर। सेक्टर-45 स्थित ग्रीनवुड सिटी के ब्लॉक-ए और बी के निवासी आगामी मानसू को लेकर चिंतित हैं। सोसाइटी के प्रवेश और निकास द्वार पर होने वाले जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम द्वारा स्वीकृत परियोजना अब तक शुरू नहीं हो सकी है। लोगों का कहना है कि कागजी योजना ने उन्हें चिंता में डाल दिया है। आरडब्ल्यू के अनुसार, मुख्य गेट पर बारिश के दौरान घुटनों तक पानी भर जाता है जिससे लोगों का आवागमन बाधित हो जाता है। समस्या के समाधान के लिए ब्लॉक-ए से एक अंडरग्राउंड ड्रेनेज लाइन बिछाकर उसे मास्टर ड्रेनेज पाइपलाइन से जोड़ने का प्रस्ताव तैयार किया गया था। इस प्रस्ताव को नगर निगम ने जनवरी 2025 में मंजूरी भी दे दी थी और स्वीकृति पत्र जारी कर दिया गया था लेकिन एक वर्ष



से अधिक समय बीतने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। निवासियों का कहना है कि ग्रीनवुड सिटी निचले क्षेत्र में स्थित है, जिसके कारण सेक्टर-44, 45 और 52 से आने वाला बरसाती पानी मुख्य द्वार के पास जमा हो जाता है। इससे सड़कें जलमग्न हो जाती हैं और कई बार वाहनों के इंजन तक खराब हो जाते हैं। लोग बोले- हमें सता रही मानसून की चिंता नगर निगम द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि समस्या का समाधान जल्द होगा लेकिन अब तक

कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है। मानसून आने वाला है और स्थिति पहले जैसी ही बनी हुई है। अजीत पुनिया, निवासी ग्रीनवुड सिटी ए ब्लॉक जलभराव की समस्या को रोकने के लिए विकल्प होने के बावजूद इस पाइप को मास्टर पाइप लाइन से जोड़ा नहीं जा रहा है। हर वर्ष बारिश के दौरान घंटों ट्रैफिक जाम लगता है। विनोद दहिया, आरडब्ल्यू अध्यक्ष, ग्रीनवुड सिटी ए ब्लॉक नगर निगम द्वारा परियोजना को स्वीकृत करने के आदेश देने के बावजूद उन पर अमल न करना प्रशासन की लापरवाही दर्शाता है। प्रशासन से इस कार्य को धरातल पर उतारने की अपील है। परमजोत सिंह, आरडब्ल्यू महासचिव, ग्रीनवुड सिटी ए ब्लॉक पानी निकलने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण यहाँ पूरी सोसाइटी जलमग्न हो जाती है जिससे की लोगों को घर से निकल पाना भी मुश्किल साबित होता है।

सेक्टर-29 के फुटपाथ बनेंगे सुरक्षित और आकर्षक

गुरुग्राम। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) सेक्टर-29 में फुटपाथों की विशेष मरम्मत कराने जा रहा है। इस पर एचएसवीपी लगभग 45.50 लाख रुपये खर्च करेगा। इसका उद्देश्य क्षेत्र में पैदल यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाना है। योजना के अनुसार, सेक्टर-29 के फुटपाथों पर 60 एएमएम मोटाई की इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाई जाएंगी। इसके अलावा कर्ब (किनारे के पथर) लगाए जाएंगे, प्राइमर सहित पेंटिंग का कार्य किया जाएगा, संबंधित मरम्मत और सौंदर्यीकरण के कार्य भी कराए जाएंगे। इससे फुटपाथों की गुणवत्ता और मजबूती में सुधार होगा। सेक्टर-29 गुरुग्राम के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक माना जाता है। यहाँ अनेक निजी कंपनियों के कार्यालय, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, होटल, रेस्तरां और अन्य संस्थान स्थित हैं, जिसके कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में फुटपाथों का बेहतर और सुरक्षित होना आवश्यक है। एचएसवीपी लगातार सेक्टरों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न विकास कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में सेक्टर-29 के फुटपाथों के उन्नयन की यह योजना लाई गई है। अधिकारियों का मानना है कि कार्य पूरा होने के बाद न केवल पैदल यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र का सौंदर्य भी बढ़ेगा और सेक्टर की समग्र छवि में सुधार होगा। एचएसवीपी के कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। इस कार्य को चार माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

बारिश से पहले नालों की सफाई पर जोर, 90 फीसदी काम पूरा

प्रातः किरण संवाददाता

मानेसर। मानसून आने से पहले औद्योगिक क्षेत्र मानेसर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए एचएसआईआईसीसी ने तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारियों ने 15 जून तक क्षेत्र के सभी प्रमुख नालों की सफाई पूरी करने का लक्ष्य तय किया है, ताकि बरसात के दौरान सड़कों और औद्योगिक क्षेत्रों में पानी जमा न हो। नालों की सफाई का कार्य 90 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। इस बार नालों की सफाई का काम एचएसआईआईसीसी द्वारा कराया जा रहा है। नगर निगम मानेसर और एचएसआईआईसीसी के बीच हुए समझौते के बाद यह जिम्मेदारी एचएसआईआईसीसी को सौंपी गई है। अधिकारियों का कहना है कि समय रहते नालों की सफाई पूरी कर ली जाएगी,

जिससे बारिश के दौरान लोगों और उद्योगों को राहत मिल सके। आईएमटी क्षेत्र के कई नालों में भारी गंदगी व कूड़ा जमा होने से बारिश के पानी का प्रवाह प्रभावित होता है और सड़कों पर जमा होने लगता है। पानी जमा होने के कारण लोगों की भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उद्योगियों का कहना है कि हर साल बारिश के मौसम में जलभराव एक बड़ी समस्या बन जाती है। ऐसे में नालों की समय पर सफाई जरूरी है। एचएसआईआईसीसी अधिकारियों का कहना है कि सभी प्रमुख नालों की सफाई तेजी से कराई जा रही है और 15 जून तक काम पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। क्षेत्र आईएमटी के नालों का सफाई कार्य तेजी से कराया जा रहा है। नालों की सफाई का कार्य 90 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। 15 जून तक यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

(Continued from previous page...)

The Offer is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended (the "SCRR") read with Regulation 252 of SEBI ICDR Regulations, 2018, the Offer is being made for at least 25% of the post- Offer paid-up Equity Share capital of our Company. The Offer is being made under Regulation 229(2) of Chapter IX of SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018 via book building process wherein not more than 50% of the net Offer shall be allocated on a proportionate basis to QIBs, provided that our Company may, in consultation with the BRLM, allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations, out of which 33.33% of the Anchor Investor Portion, shall be reserved, for domestic Mutual Funds and 6.67% for Life Insurance Companies and Pension Funds (aggregating to 40%) , subject to valid Bids being received from them at or above the Anchor Investor Allocation Price in accordance with the SEBI ICDR Regulations. In the event of undersubscription in Life Insurance Companies and Pension Funds portion the same may be allocated to domestic Mutual Funds. In case of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the Net QIB Portion. Further, 5% of the QIB Portion (excluding the Anchor Investor Portion) shall be available for allocation on a proportionate basis only to Mutual Funds, and the remainder of the QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIBs (other than Anchor Investors), including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. Further, not less than 15% of the Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Investors (out of which one third shall be reserved for applicants with an application size of more than two lots and upto such lots equivalent to not more ₹ 10,00,000 and two-thirds shall be reserved for applicants with application size of more than ₹ 10,00,000) and not less than 35% of the Issue shall be available for allocation to Individual Investors who applies for minimum application size in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. All Bidders (other than Anchor Investors) shall mandatorily participate in the Issue only through the ASBA process. ASBA Bidders must provide either (i) the bank account details and authorization to block funds in the ASBA Form, or (ii) the UPI ID, as applicable, in the relevant space provided in the ASBA Form. The ASBA Forms that do not contain such details are liable to be rejected. Applications made using third party bank account or using third party linked bank account UPI ID are liable for rejection. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA process. ASBA Bidders shall ensure that the Bids are made on ASBA Forms bearing the stamp of the relevant Designated Intermediary, submitted at the relevant Bidding Centres only (except in case of electronic ASBA Forms) and the ASBA Forms not bearing such specified stamp are liable to be rejected. For details, see "Offer Procedure" beginning on page 306 of the Red Herring Prospectus.

Bidders/ Applicants should note that on the basis of PAN, DP ID and Client ID as provided in the Bid cum Application Form, the Bidders/Applicants may be deemed to have authorized the Depositories to provide to the Registrar to the Offer, any requested Demographic Details of the Bidders/Applicants as available on the records of the depositories. These Demographic Details may be used, among other things, for or unblocking of ASBA Account or for other correspondence(s) related to an Offer. Bidders/Applicants are advised to update any changes to their Demographic Details as available in the records of the Depository Participant to ensure accuracy of records. Any delay resulting from failure to update the Demographic Details would be at the Applicants' sole risk. Bidders/Applicants should ensure that PAN, DP ID and the Client ID are correctly filled in the Bid cum Application Form. The PAN, DP ID and Client ID provided in the Bid cum Application Form should match with the PAN, DP ID and Client ID available in the Depository database, otherwise, the Bid cum Application Form is liable to be rejected. Bidders/Applicants should ensure that the beneficiary account provided in the Bid cum Application Form is active. Investors must ensure that their PAN is linked with AADHAR and are in compliance with CBDT Notification dated February 13, 2020 and press release dated June 25, 2021.

CONTENTS OF THE MEMORANDUM OF ASSOCIATION OF THE COMPANY AS REGARDS ITS OBJECTS: For information on the main objects and other objects of our Company, see "History and Corporate Structure" on page 161 of the Red Herring Prospectus and Clause III of the Memorandum of Association of our Company. The Memorandum of Association of our Company is a material document for inspection in relation to the Offer. For further details, see the section "Material Contracts and Documents for Inspection" on page 363 of the Red Herring Prospectus.

LIABILITY OF MEMBERS AS PER MOA: The Liability of the members of the Company is Limited.

AMOUNT OF SHARE CAPITAL OF THE COMPANY AND CAPITAL STRUCTURE: The Authorized share capital of the Company is ₹ 22,00,00,000 divided into 2,20,00,000 Equity Shares of ₹ 10/- each. The issued, subscribed and paid-up share capital of the Company before the Offer is ₹ 15,58,87,950 divided into 1,55,88,795 Equity Shares of ₹ 10/- each. For details of the Capital Structure, see "Capital Structure" on the page 66 of the Red Herring Prospectus.

NAMES OF THE SIGNATORIES TO THE MEMORANDUM OF ASSOCIATION OF THE COMPANY AND THE NUMBER OF EQUITY SHARES SUBSCRIBED BY THEM:					
ORIGINAL SIGNATORIES			CURRENT PROMOTERS		
Name of Promoters	Face Value (₹)	No. of Shares	Name of Promoters	Face Value (₹)	No. of Shares
Vishal Jain	10.00	5,000	Vishal Jain	10.00	1,44,15,535
Gaurav Jain	10.00	5,000	Mahak Jain	-	NIL

LISTING: The Equity Shares offered through the Red Herring Prospectus are proposed to be listed on BSE SME (i.e. **SME Platform of BSE**). Our Company has received an "in-principle" approval from the BSE for the listing of the Equity Shares pursuant to letter dated April 15, 2026. For the purposes of the Offer, the Designated Stock Exchange shall be BSE. A signed copy of the Red Herring Prospectus has been submitted for registration to the ROC on June 06, 2026 and Prospectus shall be filed with the RoC in accordance with Section 26(4) of the Companies Act, 2013.

DISCLAIMER CLAUSE OF SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA ("SEBI"): Since the Offer is being made in terms of Chapter IX of the SEBI (ICDR) Regulations, 2018, the Red Herring Prospectus shall be filed with SEBI. In terms of the SEBI Regulations, the SEBI shall not issue any observation on the Offer Document. Hence there is no such specific disclaimer clause of SEBI. However, investors may refer to the entire "Disclaimer Clause of SEBI" beginning on page 281 of the Red Herring Prospectus.

DISCLAIMER CLAUSE OF BSE (THE DESIGNATED STOCK EXCHANGE): "It is to be distinctly understood that the permission given by BSE should not in any way be deemed or construed that the contents of the Offer Document or the price at which the equity shares are offered has been cleared, solicited or approved by BSE, nor does it certify the correctness, accuracy or completeness of any of the contents of the Offer Document. The investors are advised to refer to the Offer Document for the full text of the "Disclaimer Clause of BSE" beginning on page 284 of the Red Herring Prospectus.

GENERAL RISK: Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this Offer

unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this Offer. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of the Issuer and this Offer, including the risks involved. The Equity Shares have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of the Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to "Risk Factors" on page 18 of the Red Herring Prospectus.

TRACK RECORD OF BOOK RUNNING LEAD MANAGER: The BRLM associated with the Offer has handled 7 Public Issue/Offer in the past three years, out of which one of the issue was closed below the Issue/ Offer Price on listing date.

Name of BRLM	Total Issue		Issue closed below IPO Price on Listing Date.
	Mainboard	SME	
Seren Capital Private Limited	0	7	1

BOOK RUNNING LEAD MANAGER TO THE OFFER	REGISTRAR TO THE OFFER	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
 <p>SEREN CAPITAL PRIVATE LIMITED Elevate Your Potential</p> <p>Address: Office no. 601 to 605, Raylon Arcade, Kondivita, J.B. Nagar, Mumbai, Maharashtra - 400059 Telephone: +91-22-46011058 Email: info@serencapital.in Investor Grievance Email: investor@serencapital.in Website: https://serencapital.in/ Contact Person: Akun Goyal/Tripti Pathani SEBI Regn. No. INM000013156</p>	 <p>MUDRA RTA VENTURES PRIVATE LIMITED Address: B-117, 3rd Floor, DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase-1, New Delhi -110020 Telephone: 91-9958808069 Email: ipo@mudrarta.com Investor Grievance Email: info@mudrarta.com Website: www.mudrarta.com Contact Person: Akshay Tanwar SEBI Registration Number: INR000004413 CIN: U70200DL2022PTC401399</p>	 <p>SUSAN ELECTRICALS INDIA LIMITED Reshma Shukla Company Secretary and Compliance Officer Address: 1703, Nirmal Tower, 26, Barakhamba Road, Connaught Plaza, New Delhi, India, 110001. Telephone: 0120-4331296 E-mail: office@seil.net.in Website: https://seil.net.in</p> <p>Investors can contact the Compliance Officer or the Registrar to the Offer in case of any pre- Offer or post- Offer related problems, such as non-receipt of letters of allotment, credit of allotted shares in the respective beneficiary account, etc.</p>

Availability of Red Herring Prospectus: Investors are advised to refer to the Red Herring Prospectus and the Risk Factors contained therein, before applying in the Offer. Full copy of the Red Herring Prospectus will be available at the website of SEBI at www.sebi.gov.in; the website of Stock Exchange at www.bseindia.com, the website of BRLM at www.serencapital.in and website of Company at https://seil.net.in.

AVAILABILITY OF THE ABRIDGED PROSPECTUS: A copy of the abridged prospectus shall be available on the website of the Company, BRLM and BSE at https://seil.net.in, https://serencapital.in/offer-documents.php and https://www.bsesme.com/PublicIssues/PublicIssues.aspx?id=1, respectively.

Syndicate Member: Mansi Share & Stock Broking Private Limited

Availability of Bid-Cum-Application forms: Bid-Cum-Application forms can be obtained from the Company: Susan Electricals India Limited, Book Running Lead Manager: Seren Capital Private Limited. Application Forms can also be obtained from the Stock Exchange and list of SCSBs available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in and website of Stock Exchange at www.bseindia.com.

Application Supported by Blocked Amount (ASBA): All investors in this Offer have to compulsorily apply through ASBA. The investors are required to fill the ASBA form and submit the same to their banks. The SCSB will block the amount in the account as per the authority contained in ASBA form. On allotment, amount will be unblocked and account will be debited only to the extent required to be paid for allotment of shares. Hence, there will be no need of refund.

For more details on the issue process and how to apply, please refer to the details given in application forms and abridged prospectus and also please refer to the chapter "Offer Procedure" on page 306 of the Red Herring Prospectus.

BANKER TO THE OFFER: AXIS BANK LIMITED

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the RHP.

For Susan Electricals India Limited
Sd/-
Vishal Jain
Designation: Chairman & Managing Director
DIN: 01889925

Disclaimer: Susan Electricals India Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares the Red Herring Prospectus dated June 06, 2026 has been filed with the Registrar of Companies, Delhi and thereafter with SEBI and the Stock Exchanges. The RHP shall be available on the website of the SEBI at www.sebi.gov.in, website of BSE SME at www.bsesme.com and is available on the websites of the BRLM at www.serencapital.in. Any potential investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, please refer to the Red Herring Prospectus including the section titled "Risk Factors" beginning on page 18 of the Red Herring Prospectus.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the "Securities Act") or any state securities laws in the United States, and unless so registered, and may not be issued or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act and in accordance with any applicable U.S. State Securities laws. The Equity Shares are being issued and sold outside the United States in "offshore transactions" in reliance on Regulation "S" under the Securities Act and the applicable laws of each jurisdiction where such issues and sales are made. There will be no public offering in the United States.

अन्नामलाई की नई पार्टी इधु नम्मा इयक्कम के राजनीतिक मायने

सौरभ वार्धन्य

भाजपा प्रदेश पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देकर एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरूआत की है यानी अपनी नई पार्टी का शुरूआज कर दी है जिसका नाम उन्होंने इधु नम्मा इयक्कम रखा है जिसका शाब्दिक अर्थ है यह हमारा आंदोलन है या यह हमारा जन-आंदोलन है। तमिलनाडु की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। तमिलनाडु इस समय बड़े ऊहापोह की स्थिति से गुजर रहा है। भाजपा के प्रदेश पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देकर एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरूआत की है, जिसे विभिन्न रिपोर्टों में वी द लीडर्स तथा तमिल पहचान आधारित नए जनआंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। अन्नामलाई ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि यह आंदोलन आगे चलकर एक पूर्ण राजनीतिक दल का रूप ले सकता है और भविष्य के विधानसभा चुनावों में भागीदारी करेगा। अन्नामलाई पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु में भाजपा का सबसे चर्चित चेहरा बनकर उभरे थे। पूर्व आईपीएस अधिकारी होने के कारण उनकी छवि एक ईमानदार, आक्रामक और जमीनी नेता की रही है। भाजपा छोड़कर अलग राजनीतिक राह चुनना केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में एक नए विकल्प की तलाश का संकेत माना जा रहा है। उनका दावा है कि तमिलनाडु को वंशवाद, व्यक्तिपूजा और पारंपरिक राजनीतिक धुवीकरण से बाहर निकालने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से उन्होंने नए आंदोलन की शुरूआत की है। के अन्नामलाई के इस्तीफे के बाद तमिलनाडु भाजपा में कई नेताओं के त्यागपत्र सामने आए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके पास व्यक्तिगत समर्थन का एक मजबूत आधार मौजूद है। यह एक समर्थन संपादित राजनीतिक शक्ति में बदलता है, तो भाजपा को राज्य में अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं हालांकि भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत संपाठन है, फिर भी तमिलनाडु जैसे राज्य में करिश्माई क्षेत्रीय नेतृत्व का अलग महत्व होता है। अन्नामलाई का बाहर जाना पार्टी के लिए राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक दोनों दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। तमिलनाडु की राजनीति लंबे समय से द्रविड़ मुनेत्र कडगम औरआल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कडगम के इर्द-फिर्द घूमती रही है। हाल के वर्षों में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलनाा वेत्री कजगम ने भी नई राजनीतिक संभावनाओं को जन्म दिया है। ऐसे में अन्नामलाई का नया मंच राज्य में तीसरे या चौथे विकल्प के रूप में उभरने की कोशिश करेगा। लेकिन केवल लोकप्रियता से राजनीतिक सफलता नहीं मिलती। मजबूत संगठन, वित्तीय सहायता, स्थानीय नेतृत्व और स्पष्ट वैचारिक दिशा किसी भी नई पार्टी की सफलता के लिए आवश्यक है। अन्नामलाई को इन सभी मोर्चों पर स्वयं को साबित करना होगा। के अन्नामलाई के सामने सबसे बड़ा अवसर युवाओं, पेशेवरों और पारंपरिक राजनीति से निराश मतदाताओं को जोड़ का है। यदि वे अपने आंदोलन को केवल व्यक्तिव-आधारित मंच न बनाकर वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति में बदल पाते हैं, तो तमिलनाडु की राजनीति में नया समीकरण बन सकता है।दूसरी ओर चुनौती यह है कि तमिलनाडु में क्षेत्रीय दलों की जड़ें बेहद मजबूत हैं। नए राजनीतिक दलों को अक्सर शुरूआती उत्साह तो मिलता है, लेकिन उसे वोटों और सीटों में बदलना कठिन साबित होता है। के अन्नामलाई का नया आंदोलन केवल एक नेता के दल-बदल की घटना नहीं है, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में नए प्रयोग का प्रयास है। यदि यह आंदोलन जनता को आकांक्षाओं, सुशासन और क्षेत्रीय स्वाभिमान को प्रभावी ढंग से जोड़ पाता है, तो आने वाले वर्षों में राज्य की राजनीति का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकता है। फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह पहल सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनेगी या नहीं, लेकिन इतना निश्चित है कि अन्नामलाई ने तमिलनाडु की राजनीति में नई बहस और नई संभावनाओं का द्वार खोल दिया है। के अन्नामलाई ने पिछले कुछ वर्षों में तमिल राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। एक पूर्व आईपीएस अधिकारी के रूप में राजनीति में आने के बाद उन्होंने खुद को पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। तमिल राजनीति में उनके प्रमुख योगदान हैं जिन्हें ऐसे समझ सकते हैं कि तमिलनाडु में भाजपा लंबे समय तक सीमित प्रभाव वाली पार्टी रही, लेकिन अन्नामलाई के नेतृत्व में पार्टी की दृश्यता और जनसंपर्क बढ़ा। उन्होंने राज्यभर में यात्राएँ, जनसभाएँ और आक्रामक राजनीतिक अभियान चलाए। भ्रष्टाचार और सुशासन का मुद्दा उठाना : अन्नामलाई ने विभिन्न सरकारी नीतियों और कथित भ्रष्टाचार के मामलों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने राजनीति में पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रशासनिक सुधारों की बात की। युवाओं को राजनीति से जोड़ का प्रयास : उनकी शिक्षा, आईपीएस पृष्ठभूमि और स्पष्ट वक्तव्य शैली ने युवाओं तथा पेशेवर वर्ग के बीच उन्हें लोकप्रिय बनाया। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उन्होंने राजनीति में नए मतदाताओं को आकर्षित किया।

बिना किसी पहचान के नायक: जिन्होंने संकट में मानवता को बचाए रखा सुनील कुमार महला

इंसानियत को सबसे बड़ा धर्म कहा जाता है, और हाल ही में मीडिया की सुर्खियों में आई एक घटना ने इस सत्य को फिर से प्रामाणित किया है।एाठक जानते होंगे कि दिल्ली के मालवीय नगर इलाके के एक होटल में 3 जून 2026, बुधवार को सुबह लगभग 9:45 बजे भीषण आग लग गई, जिसमें 21 लोगों की जान चली गई।मृतकों में 11 विदेशी नागरिक भी शामिल थे, जिनमें से अधिकांश अपने रिश्तेदारों के इलाज के लिए दिल्ली आए थे और उसी होटल में ठहरे हुए थे। इस दुखद घटना के दौरान एक तस्वीर ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तस्वीर में कई लोग होटल की ऊँचाई से सड़क पर बिछाए गए गद्दों पर कूदकर अपनी जान बचाते दिखाई दिए। मीडिया में प्रकाशित समाचारों के अनुसार यह साहसिक और सूझबूझ भरा कार्य होटल के ठीक सामने गद्दों की दुकान चलाने वाले रियाजुद्दीन मंसूरी और उनके बेटे अरमान मंसूरी ने किया था। आग की भयानकता को देखते हुए उन्होंने तुरंत अपनी दुकान के गद्दे सड़क पर बिछा दिए, जिससे होटल में फंसे लोग उन पर कूदकर सुरक्षित बाहर निकल सके।उपलब्ध जानकारी के अनुसार सड़क पर बिछाए गए गद्दों पर एक बार में सात से आठ लोगों ने इलाज लगाई, जबकि बाद में यह संख्या बढ़कर बाहर से पड़े दुखे लोगों तक पहुँच गई। इस प्रयास से कई लोगों की जान बच गई। रियाजुद्दीन और उनके बेटे ने केवल इतना ही नहीं किया, बल्कि उन्होंने घायलों को बाहर निकालने में भी सहायता की और उन्हें अस्पताल भिजवाने के लिए चार्जें तथा अन्य आवश्यक कपड़े उपलब्ध कराए। यहां तक कि एंबुलेंस से शव ले जाने के लिए भी उन्होंने बेडशीट और राज्ञ्यों के कवर दिए। इस मानवीय कार्य के दौरान उनकी दुकान का काफी सामान नष्ट हो गया। हालांकि, इस लेख के लिखे जाने तक उनके नुकसान की भरपाई के लिए प्रशासन की ओर से कोई सहायता नहीं मिली थी। इसके बावजूद रियाजुद्दीन मंसूरी इस बात से संतुष्ट हैं कि उन्होंने संकट की घड़ी में लोगों की जान बचाने में योगदान दिया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, आग देखकर जब हमें लगा कि शायद लोग नहीं बच पाएंगे, तो हमने अपनी दुकान के गद्दे रोप पर बिछा दिए। उस पर एक बार में सात से आठ लोग कूदें। फिर उन्होंने संख्या बढ़कर 12 से 15 हो गई। ये सब सुरक्षित बच गए। फिर हमने एंबुलेंस से बाँड़ी ले जाने के लिए भी बेड-शीट और रजाई के कवर दिए। मदद का सुकूम है, पर दुकान के माल की भरपाई के लिए कोई नहीं आया। रियाजुद्दीन मंसूरी ने यह भी बताया कि यदि होटल का दूसरा निकास द्वार खुला होता, तो और अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती थी। इस दुर्घटना के दौरान मालवीय नगर थाने में तेनात हवलदारों और सिपाहियों में भी राहत एवं बचाव अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए लगातार प्रयास किए, यह सहायनी है। दिल्ली की इस भीषण आग के दौरान जो दृश्य सामने आए, वे इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि आज के स्वार्थी और भागदौड़ से भरे युग में भी इंसानियत पूरी तरह जीवित है। संकट के समय कुछ लोगों द्वारा दिखाया गया साहस, संवेदनशीलता और निःस्वार्थ सेवा मानवता की सर्वोच्च भावना को अभिव्यक्त करता है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने भी कहा है-वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे, वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप ही आप करे। ईश्वर ने मनुष्य को इस धरती को सबसे विवेकशील प्राणी बनाया है। इसलिए केवल अपने स्वार्थ, भोजन और संवर्ध के लिए जीवन व्यतीत करना पशु-प्रवृत्ति के समान है। मानव जीवन का उद्देश्य इससे कहीं अधिक व्यापक और उच्च होना चाहिए।जब मनुष्य अपने विवेक को भूलकर अभिमान और अहंकार के प्रभाव में जीने लगता है, तब वह पतन के मार्ग पर अग्रसर हो जाता है।

विचार मंथन

व्यवस्था के बाहर ही नहीं भीतर भी भरी है काँकरोच



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 134वें एपिसोड में लोगों से गमी से बचाव करने हेतु सावधानी बरतने की अपील की थी। इस अपील में दोषाहर के समय घर से बाहर नहीं निकलना और चक्कर आने पर छाजदार जगह पर लेटना जैसे अनेक देसी उपाय शामिल थे। परन्तु इस अपील के बावजूद गत 6 जून को हजारों छात्रों व युवाओं को दिल्ली की चिलचिलाती धूप में जंतर मंतर पर इकठ्ठा होने के लिये मजबूर होना पड़ा। यह युवा व छात्र देश के शिक्षा मंत्री से सफलता के लिए मांग कर रहे थे। जेन जी ने जंतर मंतर पर यह घोषणा की कि यदि शिक्षा मंत्री धर्मंद प्रधाा इस्तीफा नहीं देते तो इस तरह के प्रदर्शन देशभर में किये जायेंगे। गौरतलब है कि धर्मंद प्रधान विगत लगभग 5 वर्षों से लगातार भारत सरकार के शिक्षा मंत्री के पद पर आसीन हैं। उन्हीं के कार्यकाल के दौरान नीट-यूजी 2024 जिसकी परीक्षा 5 मई 2024 को निर्धारित

थी,का पेपर बिहार में लीक हुआ था। इस मामले में कई आरोपी गिरफ्तार भी हुए थे। अभी पिछले दिनों उन्हीं के कार्यकाल में नीट-यूजी का पेपर लीक हुआ। इस से दुखी होकर चार छात्रों ने आत्महत्या कर ली और लगभग 22 लाख छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया। हालांकि कांग्रेस ने 2014-2024 तक 25 परीक्षाओं की सूची जारी की है जिसमें बिहार व्य्ठ, यूपीएससी तथा बिहार, उत्तर प्रदेश व राजस्थान आदि की राज्य स्तर की भर्ती परीक्षाओं में धांधली अथवा पेपर लीक की शिकायत है। इनमें से कई मामले धर्मंद प्रधान के पिछले कार्यकाल यानी 2021-2024 में हुए। ऐसे में युवा बेरोजगार छात्रों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है। अभी पेपर लीक कर युवाओं का आक्रोश सोशल मीडिया के माध्यम से सत्ता व व्यवस्था पर फूट ही रहा था की अचानक भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने गत 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान यह कह दिया कि काँकरोच

की तरह ऐसे देश के कई युवा हैं, जिन्हें रोजगार नहीं मिल रहा है। ये युवा आगे चलकर मीडिया, सोशल मीडिया और आर टी आई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर व्यवस्था पर हमला शुरू कर देते हैं। जस्टिस सूर्यकांत के इस बयान के सार्वजनिक होते ही पहले से ही बेरोजगारी व अनिश्चिता के माहौल में जी रहे देश के युवाओं में स्वभाविक रूप से उबाल आ गया। हालांकि विवाद बढ़ने पर मौके की नजकत को भांप मुख्य न्यायाधीश ने अपनी सफाई देते हुये कहा कि उनकी बात को तोड़-मरोड़ के पेश किया गया है। उनका निशाना युवा नहीं थे, बल्कि फर्जी डिग्रियों और गलत तरीकों से प्रतिष्ठित पेशों में चुसपैठ कर रहे लोग थे। उन्होंने कहा कि मुझे हर भारतीय युवा पर गर्व है और हर युवा मुझे प्रेरणा देता है और वह युवाओं को विकसित भारत के स्तंभ के तौर पर देखते हैं। परन्तु मुख्य न्यायाधीश का स्पष्टीकरण आने तक देश का बेरोजगार युवा और व्यवस्था से नाराज नई युवा

पीढ़ी जेन जी आक्रोशित हो चुकी थी। अभिजीत दीपके जोकि पूर्व में आम आदमी पार्टी के साथ एक राजनीतिक संचार रणनीतिकार के रूप में भी काम कर चुके हैं, ने 16 मई 2026 को सोशल मीडिया पर आधिकारिक रूप से काँकरोच जनता पार्टी के नाम से पहले एक मजाकिया ऑनलाइन पेज शुरू किया बाद में यह इंस्टाग्राम, (ट्विटर) जैसे प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हुआ और देखते ही देखते मात्र चार दिन में इस पेज ने रिकार्ड 44 लाख से अधिक युवा समर्थक जुटा लिए। इंस्टाग्राम तो सिर्फ 5 दिन में 1.87 करोड़ फॉलोवर्स हो गये। इस अभियान से भयभीत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर इसका (ट्विटर) अकाउंट भारत में ब्लॉक करवा दिया। जस्टिस सूर्यकांत द्वारा देश के युवाओं को काकरोच अथवा परजीवी कहे जाने के बाद व अपने इस बयान पर सफाई दिये जाने के बावजूद काँकरोच की परछाई उनका पीछा नहीं छोड़ रही है। गत 4 जून को लंदन

कंगाली में आटा गीला का सामना करती ममता बनर्जी

पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्वीकार ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं। पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है। राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पच्चेड़ में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उन्के बयानों और बांलादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हैट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने इसे देश की संंप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा



मनोज कुमार अग्रवाल

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी कंगाली में आटा गीला। यह ममता बनर्जी के साथ बिल्कुल खरी साबित हो रही है एक ओर वह सत्ता से बाहर हो गयीं हैं दूसरे ओर उनके अपने ही उनके खिलाफ मुखर हो गए हैं। आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर

चैतन्य भट्ट

कानून व्यवस्था बनाए रखने और भ्रष्टाचार निवारण हेतु जिम्मेदार दो सरकारी संस्थानों से जुड़ी खबरें सुर्खियों में हैं। दुखद यह है कि खबरें इनकी कार्यकुशलता को लेकर नहीं बल्कि इनकी छवि को दामादर बनाने से संबंधित हैं। भोपाल में मॉडल और एक्ट्रेस तिवशा शर्मा की बहुचर्चित संदिग्ध मौत के मामले में भोपाल पुलिस की कार्यप्रणाली शुरू से ही दुलपुल और लापरवाही भरी रही। मामले को आत्महत्या बताने की जल्दबाजी में मृतका के शरीर पर मौत से पहले के 7 गंभीर घाव/चोटों को नजरअंदाज करने जैसे गंभीर आरोपों की हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान भी पुष्टि हुई और सरकार को केस सीबीआई को ट्रांसफर करना पड़ा। सीबीआई को बेतरतीब और आधी-अधूरी केस डायरी सौंपी गई उसमें

घटनाक्रम का कोई निश्चित क्रम दर्ज नहीं था। एप्स के डॉक्यूमेंट के पैमल के सामने पोस्टमार्टम के समय घटना में इस्तेमाल किया गया फंदा पेश न करने जैसी बड़ी प्रक्रियात्मक चूक भी हुई। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि आरोपी पति समर्थ सिंह और सास गिरीबाला सिंह, जो रिटायर्ड जज हैं, के रसूख के कारण भोपाल पुलिस ने शुरूआती कार्रवाई नहीं की और आरोपियों को साक्ष्य प्रभावित करने का मौका मिला। दूसरे घटनाक्रम में एक प्रतिष्ठित अखबर के रिटंग ऑपरेशन में शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधक संस्था लोकयुक्त के तकनीशियन, हेड कांस्टेबल यहां तक कि डीएसपी स्तर के अधिकारी रिश्वत लेकर ट्रैप केस और जांच रिपोर्ट्स को कमजोर करते कैमरे में पकड़े गए। लोकायुक्त संगठन के भीतर ही घूस का यह नेटवर्क लाखों के बदले ट्रैप मामलों के आरोपियों को मामलों की ट्रांसक्रिप्ट और वॉयस सैंपल को मैनेज करने के लिए 3 से 5 लाख रुपए तक लेकर राहत दिलाने की डील कर रहा था। तिवशा शर्मा मामले में सरकार द्वारा खुद मामला सीबीआई को सौंप जाने का प्रस्ताव पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है और इस तथ्य की परोक्ष स्वीकृति है कि पुलिस दबाव में काम करती है। दूसरे मामले में लोकायुक्त के शीर्ष नेतृत्व द्वारा फौरन एक्शन लेते हुए 2 डीएसपी को पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय अटैंच और अन्य 3 अधिकारियों को सस्पेंड किया जाना भी परोक्ष स्वीकारोक्ति है कि सब

कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इन बातों में दम है जांच एजेंसियां भ्रष्टाचारियों को सजा दिलाने के बजाय उन्हें क्लीन चिट देने का काम कर रही हैं। पुलिसिा व्यवस्था में जनता के घटते भरोसे की लेकर उठने वाले सवाल नये नहीं हैं। छतरपुर जिले में महज दो महीनों के भीतर हिरासत में 4 युवकों की संदिग्ध मौतें हुईं। परिजनों ने पुलिस हिरासत में मारपीट और मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए, जिसके बाद यह मामला मध्य प्रदेश हाईकोर्ट तक पहुंच गया। इंदौर में आपराधिक मुकदमों में कोर्ट में पेश किए जाने वाले गवाहों को लेकर बड़ा फजीवांदा सामने आया। विभिन्न थानों के सैकड़ों मुकदमों में मात्र दो लोगों को ही गवाह बनाया



विश्वविद्यालय के बर्कबेक कॉलेज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और अंतरराष्ट्रीय कानून विषय पर आयोजित एक व्याख्यान में कई प्रतिभागियों ने भारत में लोकतंत्र के रिकॉर्ड और असहमति के प्रति बढ़ती शत्रुता को लेकर जस्टिस सूर्यकांत के समक्ष सवाल उठाया। यह हंगामा भी जस्टिस सूर्यकांत के 15 मई के बेरोजगार युवाओं को काँकरोच बताने वाले बयान से जुड़ा है। गंगा भारतीय युवाओं का आक्रोश आम भारत से बाहर भी नज आने लगा है। युवाओं का गुस्सा केवल काँकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के रूप में दिल्ली में नहीं फूटा बल्कि कांग्रेस,युवा कांग्रेस व राष्ट्रीय छात्र संगठन ने भी राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री धर्मंद प्रधान का इस्तीफा माँगा तथा पेपर लीक के दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। ऐसा लगता है कि शिक्षा मंत्री की प्राथमिकता पारदर्शी व साफ सुथरी परीक्षाएँ कराना नहीं बल्कि शिक्षा जैसे नाजुक व

गंभीर क्षेत्र में भी अपना एजेंडा लागू करना है। इसी एजेंडे के तहत कहीं पाठ्यक्रमों में व्यापक बदलाव किया जा रहा है तो कहीं इतिहास को ही बदलने की कोशिश की जा रही है। कहीं सर्वधर्म समभाव व साम्प्रदायिक सौहार्द की सीख देने वाले अध्यायों को पाठ्यक्रमों से निकाला जा रहा है तो कहीं पाठ्यक्रमों में आधुनिक विज्ञान,प्रायोगिकी को बढ़ावा देने के बजाय धर्म और संस्कृति की शिक्षा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त विशेष विचारधारा के अनेक अयोग्य लोगों को वॉइस चॉसलर जैसे पदों पर नियुक्त किया जा रहा है। मिसाल के तौर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (जौनपुर, उत्तर प्रदेश) के इसी तरह के एक पूर्व वॉइस चॉसलर का नाम डॉ. राजाराम यादव था। जिन्होंने छात्रों को भीख मांगने को रोजगार बताया था। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवा ट्रेन में खंजरी बजाकर भीख मांग कर कमाई कर सकते हैं।



माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहें ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और हढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और

असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और उनको फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी। ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारा में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था

परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन की वह सदस्य जरूर बनी रहीं थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार

गया था। समय पर गवाह पेश न करने पर कोर्ट में गंभीर सवाल उठते रहे हैं। रिश्वत और वसूली की संदिग्ध जब तब सुर्खियां बनती हैं। पुलिस थानों और उच्चाधिकारियों के बीच तनाव की खबरें भी आती रहती हैं। नीमच और दतिया जिलों में हेड कांस्टेबल व एएसआई द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के दबाव और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए आत्महत्या करने जैसी दुखद घटनाओं ने विभााग के अंदर की स्थिति उजागर की है।जन आक्रोश भी मुखर होता दिखाई देता रहता है। खरगोन के चैनपुर और अन्य क्षेत्रों में संदिग्ध मौतों की सूचना के बाद पुलिस के मौके पर रैरी से पहुंचने पर ग्रामीणों की नाराजगी सामने आई और कई जगह जनता ने पुलिस का विरोध किया। इन चुनौतियों के बीच पुलिस प्रशासन को लेकर बड़ा फजीवांदा सामने आया। विभिन्न थानों के सैकड़ों मुकदमों में मात्र दो लोगों को ही गवाह बनाया

पंचायत, और महिला सुरक्षा जैसे अभियानों के जरिए जनता का भरोसा दोबारा जीतने की कोशिशें भी दिखती हैं।मगर अविश्वास की दीवार ढहाने के लिए आंतरिक साफ सफाई में और भी सशक्त कदमों की जरूरत है जो न सिर्फ जनता का भरोसा जीतें बल्कि विभााग के अंदर के ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ कार्मिकों का आत्मविश्वास भी मजबूत करें। लोकायुक्त की कार्यप्रणाली भी स्पेशल के घेरे में है। भोपाल की सवाल कोर्ट ने एक अवधि विशेष में लोकायुक्त द्वारा पेश की गई सभी पैंतीस खान्ता रिपोर्टों को सत्तों की कमी का हवाला देकर खारिज कर दिया। पिछले 3 वर्षों में लोकायुक्त द्वारा रिश्वतखोरी के मामलों में ट्रैप की कार्रवाई तो 28% तक बढ़ी है, लेकिन अदालत में केस साबित न होने के कारण सजा दिलाने के मामलों में भारी गिरावट आई है।

चंडीगढ़ टेस्ट में अफगानिस्तान की पारी लड़खड़ाई

डेब्यू मैच में मानव सुथार ने लिए 3 विकेट

● **भारतीय पारी 564/8 पन घोषित, अफगानिस्तान 113/5 न्यू चंडीगढ़ (एजेसी)।** अफगानिस्तान के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में खेले जा रहे टेस्ट में भारतीय टीम पूरी तरह हवी हो गई है। उसने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। रविवार को मैच का दूसरा दिन है और आखिरी सेशन जारी है। अफगानिस्तान ने 5 विकेट पर 113 रन बना लिए हैं। रहमत शाह और अफसर जजई त्रिज पर हैं। प्रसिद्ध कृष्णा ने हश्मतुल्लाह शाहिदी (20) और सैदीकुल्लाह अटल (17) को आउट किया। वहीं, मानव सुथार ने रहमानुल्लाह गुरबाज

29 साल बाद किसी भारतीय को डेब्यू टेस्ट के पहले ओवर में विकेट

चंडीगढ़ टेस्ट में डेब्यू करने वाले भारतीय लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार ने मैच में अपने पहले ही ओवर में विकेट ले लिया। उन्होंने अपने पहले ओवर की चौथी गेंद पर अफगानिस्तान के ओपनर अब्दुल मलिक को मोहम्मद सिराज के हाथों कैच कराया।



(12) को स्लैप में साई सुदर्शन के हाथों कैच कराया। इससे पहले उन्होंने अपने डेब्यू मैच के पहले ही ओवर में अब्दुल मलिक को कैच आउट कराया। मैच का स्कोरबोर्ड अफगानिस्तान की ओर से सलीम साफी की गेंदबाजी सबसे खास रही। अपने पिछले चार अंतरराष्ट्रीय मैचों में कोई विकेट न लेने वाले इस तेज गेंदबाज ने भारतीय बल्लेबाजों को

गिल और राहुल के शतक, 3 बैटर्स ने फिफ्टी लगाई

कप्तान शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 126 रन बनाए। ओपनर केएल राहुल ने 100 रन की पारी खेली। ऋषभ पंत और साई सुदर्शन ने 81-81 रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर 52 और कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। डेब्यू मैच खेल रहे मानव सुथार ने 28, यशस्वी जायसवाल ने 24 और ध्रुव जुरेल ने 19 रन बनाए। मोहम्मद सिराज ने 12 गेंदों पर 22 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से मोहम्मद सलीम सफी ने 6 विकेट लिए। जियाउर रहमान और हश्मतुल्लाह शाहिदी को एक-एक विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

- **भारत:** केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, मानव सुथार, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।
- **अफगानिस्तान:** सैदीकुल्लाह अटल, रहमानुल्लाह गुरबाज, अब्दुल मलिक, रहमत शाह, हश्मतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अफसर जजई (डेब्यू), अजमलुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, नांग्यालिया खारोटे, जियाउर रहमान शरीफी, मोहम्मद सलीम सफी।

19 साल की मीरा आंद्रीवा बनीं चैंपियन



1992 के बाद हासिल की ये बड़ी उपलब्धि

पेरिस (एजेसी)। रूसी महिला खिलाड़ी मीरा आंद्रीवा ने फ्रेंच ओपन 2026 का टाइटल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने सिर्फ 19 साल की उम्र में ही ये बड़ा टाइटल अपने नाम किया है। जिसके साथ वो 1992 के बाद पेरिस में सबसे कम उम्र की चैंपियन बनने का रिकॉर्ड बनाया। शनिवार को पेरिस के स्टेड रोलेंड-गैरॉस में खेले गए महिला सिंगल्स फाइनल में मीरा आंद्रीवा ने पोलैंड की माजा चवालिनस्का को 6-3, 6-2 से हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस जीत के साथ, मीरा आंद्रीवा 1992 में मोनिका सेलेस के बाद पेरिस में सबसे कम उम्र की महिला सिंगल्स चैंपियन बन गईं। यह जीत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आंद्रीवा की तेजी से बढ़ती सफलता में एक और अहम पड़ाव है। एक घंटे 22 मिनट में जीत पक्की करने के बाद, भावुक आंद्रीवा जश्न में कोर्ट पर गिर पड़ीं और फिर अपनी कोच कौचिंता मार्टिनेज को गले लगाया। पूर्व वर्ल्ड नंबर 2 और 1994 की विंबलडन चैंपियन मार्टिनेज ने आंद्रीवा के खेल को निखारने में अहम भूमिका निभाई है। टॉफी सेरेमनी के दौरान आंद्रीवा ने कहा, 'मैं बहुत छोटी उम्र से ही टीवी पर रोलेंड-गैरॉस देखती आ रही हूँ। इस टूर्नामेंट को जीतना हमेशा से मेरा सपना रहा है।'

दूसरी सबसे कम उम्र की चैंपियन

इस जीत के साथ एंड्रीवा 2020 में इगा स्विातेक के बाद फ्रेंच ओपन महिला एकल जीतने वाली टीनएज खिलाड़ी बन गईं। वह 1992 में मोनिका सेलेस के बाद फ्रेंच ओपन में सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन भी हैं।

च्वालिनस्का लगातार 9 मैच जीतकर फाइनल पहुंची थीं

फाइनल में हार के बावजूद च्वालिनस्का का अभियान यादगार रहा। वर्ल्ड रैंकिंग में 114वें स्थान पर मौजूद पोलिश खिलाड़ी क्वालिनस्का के रूप में टूर्नामेंट में उतरी थीं और लगातार नौ जीत दर्ज कर फाइनल तक पहुंची थीं।

भारत 7 साल बाद साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियन बना

महिला टीम ने फाइनल में बांग्लादेश को 3-1 से हराया, रिकॉर्ड छठा टाइटल जीता



मडगांव (गोवा) (एजेसी)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने 7 साल बाद साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियनशिप जीत ली है। उसने शनिवार रात फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराया। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार यह टूर्नामेंट जीता है। गोवा के मडगांव स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भारत के लिए प्यारी जाखसा, सनफिदा नोंगरम और लिंडा कोम सेतों ने एक-एक गोल किया। बांग्लादेश के लिए रिंतु पोर्ना ने इकलौता गोल किया।

- **हाफ टाइम तक 1-1 की बराबरी पर रहा मुकाबला -** भारत की ओर से प्यारी जाखसा ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में रिंतु पोर्ना चकमा ने गोल कर बांग्लादेश को बराबरी दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में सनफिदा नोंगरम ने शानदार हेडर लगाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय टीम ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। 82वें मिनट में लिंडा कोम सेतों ने बांग्लादेशी डिफेंस की गलती का फायदा उठाकर तीसरा गोल दागा और भारत की जीत सुनिश्चित कर दी।
- **पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही भारतीय टीम -** मेजबान भारत पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहा। टीम ने सभी चार मुकाबले जीते, 18 गोल किए और केवल एक गोल खाया। मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश की लगातार तीसरी बार खिताब जीतने की उम्मीद भी टूट गई।

ग्रेस ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया - फाइनल के बाद भारतीय खेमे में जश्न का माहौल रहा। अनुभवी खिलाड़ी डांगमैं ग्रेस ने इसी मैच के बाद इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया। उन्होंने 2013 में भारत के लिए डेब्यू किया था और 95 इंटरनेशनल मैच खेलने के बाद अपने करियर का अंत एक और इम्बर खिताब के साथ किया।

अवेका सिंह टॉप स्कोरर रही - टूर्नामेंट के अवॉर्ड्स में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा। अवेका सिंह चार गोल के साथ शीर्ष स्कोरर रहीं। सनफिदा नोंगरम को मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर चुना गया और पंधोई चानू एलांगबाम को बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार मिला। नेपाल को फेयर प्ले अवॉर्ड दिया गया।

वैभव सूर्यवंशी बोले मैं वर्ल्ड क्रिकेट को डोमिनेट करूंगा मुझे टेड बॉल खेलना पसंद, कोहली का कंधे पर हाथ रखना सपने जैसा था



पटना (एजेसी)। वैभव सूर्यवंशी के भारतीय क्रिकेट टीम में चुने जाने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सोशल मीडिया पर उनका एक इंटरव्यू शेयर किया है। इसमें वैभव ने कहा कि मुझे सिर्फ अच्छा नहीं खेलना है, बल्कि आगे 10-20 साल तक डोमिनेट करना है। वैभव ने कहा कि मेरा सपना क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में खेलना है। राजस्थान रॉयल्स के टीम मैनेजर रोमी भिंडर के साथ इंटरव्यू में उन्होंने आईपीएल के 2026 के फाइनल का भी जिक्र किया और कहा, जब विराट कोहली ने मेरे कंधे पर हाथ रखा तो मुझे ये किसी सपने की तरह लगा। 115 साल वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स टीम के लिए चुना गया है। राजस्थान रॉयल्स की ओर से शेयर किए गए एक वीडियो में रोमी भिंडर ने वैभव सूर्यवंशी से पूछा- आईपीएल 2026 की जर्नी को किस तरह देखते हैं? इस पर वैभव ने कहा, आईपीएल का टूर्नामेंट दो से ढाई महीने तक चलता है। इसमें मेंटली और फिजिकली मजबूत रहना पड़ता है। हर मैच के बाद हम टीम में बैठकर चर्चा करते थे कि क्या कमी रह गई। कौन-सी गलती हुई और उसे दोबारा कैसे नहीं दोहराना है। इससे काफी फायदा हुआ, क्योंकि आपस में बातचीत करने से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

● **फाइनल खेलता तो और ज्यादा अच्छा लगता -** क्या आप आईपीएल 2026 के अपने परफॉर्मंस से संतुष्ट हैं? के जवाब पर वैभव ने कहा, अगर आखिरी मैच में हम जल्दी विकेट नहीं गंवाते, तो शायद आईपीएल 2026 का फाइनल देख नहीं रहे होते, बल्कि खेलते। अगर टीम ट्रांफी जीतती और उसके बाद मुझे ये अवॉर्ड्स मिलते, तो ज्यादा खुशी होती। उन्होंने आगे कहा, लोग पूछते हैं कि दूसरी ट्रांफी कब आएगी। मुझे उम्मीद है कि सिर्फ दूसरी ट्रांफी ही नहीं, बल्कि आने वाले सालों में तीसरी, चौथी और पांचवीं ट्रांफी भी जीतेंगे।

● **ऑरेंज कैप छूने का शौक था, आज पहन रहा हूँ -** रोमी भिंडर ने एक पुराना किस्सा याद दिलाते हुए कहा- वैभव जब पहली बार आपको ऑरेंज कैप पहन रहे थे और कहा था कि ऑरेंज कैप के बारे में नहीं सोचेंगे, वरना नजर लग जाएगी।

वेस्टइंडीज-श्रीलंका दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द टॉस के बाद एक भी बॉल नहीं डली, सीरीज 1-1 की बराबरी पर आई

किंग्स्टन (एजेसी)। श्रीलंका के वेस्टइंडीज दौरे का दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। किंग्स्टन के सबीना पार्क स्टेडियम में शनिवार रात को टॉस के बाद एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। काफी देर इंतजार के बाद अंपायर्स ने मैच रद्द कर दिया। बारिश के कारण टॉस निर्धारित समय से 30 मिनट देरी से हुआ था। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था, लेकिन इसके बाद खेल नहीं हो सका।

विंडीज के लिए तीसरा मैच करो या मरो जैसा - पहला वनडे

हार चुकी वेस्टइंडीज के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा था। वेस्टइंडीज के लिए आखिरी मैच वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन के लिहाज से भी अहम होगा। वनडे रैंकिंग में सुथार टीम की वर्ल्ड कप राह आसान कर सकता है।

शाई होप को स्पेशल जर्सी दी गई - इस बीच कप्तान शाई होप ने अपने करियर का 150वां वनडे खेलने की उपलब्धि हासिल की। उन्हें मैच से पहले विशेष जर्सी देकर सम्मानित किया गया, लेकिन बारिश के कारण उनका यह यादगार दिन मैदान पर अधूरा रह गया।

शमी ने बंगाल टी-20 लीग में हैट्रिक ली सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने राढ़ टाइगरस को 24 रन से हराया

कोलकाता (एजेसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल टी-20 लीग सीजन 3 में हैट्रिक ली। शनिवार को इंडनगार्ड्स में सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स और राढ़ टाइगरस के बीच मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में मोहम्मद शमी ने हैट्रिक लेकर अपनी टीम सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स को 24 जीत दिलाई। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने विशाल भाटी की 86 रनों की ताबड़तोड़ पारी की मदद से 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 208 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में राढ़ टाइगरस की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी। सिलीगुड़ी के लिए शमी ने 27 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि करण लाल ने 36 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए।

● **राढ़ टाइगरस के लिए शुभम और राहुल की पारी बेकार गई -** 209 रनों के बड़े टारगेट का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगरस की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हालांकि, शुभम डे सौनियर ने 25 गेंदों में 48 रन और राहुल प्रसाद ने 26 गेंदों में 44 रनों की पारी खेलकर मैच को संभाला, लेकिन शमी और करण लाल की कसौटी हुई गेंदबाजी के सामने टीम लक्ष्य से 24 रन दूर रह गई। राढ़ टाइगरस की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 184 रन ही बना पाई।

● **दिन के पहले मैच में मालदा ने मुर्शिदाबाद किंग्स को हराया -** शनिवार को खेले गए दिन के पहले मुकाबले में सोबिस्कॉ स्मैशर्स मालदा ने मुर्शिदाबाद किंग्स को 7 विकेट से मात दी। बारिश के कारण इस मैच को 15-15 ओवर का कर दिया गया था। पहले बैटिंग करते हुए मुर्शिदाबाद किंग्स ने 15 ओवर में 7 विकेट पर 134 रन बनाए थे। टीम की तरफ से दीपांशु ने सबसे ज्यादा 47 रन (33 गेंद) बनाए। मालदा के गेंदबाज सूरज सिंधु जायसवाल ने शानदार बॉलिंग करते हुए 18 रन देकर 3 विकेट लिए।

● **ऋतम पोरल और अभिमन्यु ईश्वर ने दिलाई मालदा को जीत -** 135 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी मालदा की टीम ने बेहद आसानी से 13.4 ओवर में 3 विकेट खोकर 138 रन बना लिए और मैच जीत लिया। मालदा की जीत में ऋतम पोरल ने 29 गेंदों पर 50 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, टीम के कप्तान और घरेलू क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वर ने 31 गेंदों पर 48 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत की दहलीज पार कराई।



- **16वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर झटके विकेट -** मैच के 16वें ओवर में मोहम्मद शमी ने ओवर की चौथी गेंद पर शाहाबाज अहमद को आउट किया। इसके बाद अगली ही गेंद (पांचवीं गेंद) पर रोहित कुमार को पवेलियन का रास्ता दिखाया। ओवर की आखिरी यानी छठी गेंद पर दीपांशु मुखर्जी को आउट कर शमी ने अपनी हैट्रिक पूरी की। शमी ने अपने 4 ओवर के कोटे में कुल 27 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए।
- **विशाल भाटी और प्रमोद चंदीला की तेज बल्लेबाजी -** इससे पहले सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की शुरुआत बेहद मजबूत रही। टीम के बल्लेबाज विशाल भाटी ने मैदान के चारों तरफ शॉट खेले। विशाल ने महज 46 गेंदों का सामना करते हुए 86 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 6 छक्के और 5 चौके लगाए। पारी के आखिरी ओवरों में प्रमोद चंदीला ने विस्फोटक बल्लेबाजी की। प्रमोद ने सिर्फ 16 गेंदों पर नाबाद 36 रन टीककर टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया।

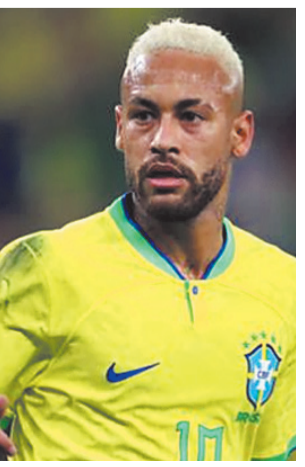
फीफा वर्ल्ड कप 2026 हो सकता है नेमार का आखिरी टूर्नामेंट

स्टार फुटबॉलर ने दिए संन्यास के संकेत

ब्राजील (एजेसी)। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने संकेत दिए हैं कि आगामी फीफा वर्ल्ड कप उनके शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी विश्व कप हो सकता है। 34 वर्षीय फॉरवर्ड ने सोशल मीडिया पर की गई एक टिप्पणी से अपने भविष्य को लेकर चर्चाओं को हवा दे दी है।

सोशल मीडिया पोस्ट पर नेमार का खास जवाब - फीफा ने हाल ही में नेमार के करियर की यादगार तस्वीरों के साथ एक पोस्ट साझा की थी, जिसमें लिखा था, हमने उन्हें बड़ा होते देखा है। इस पोस्ट पर नेमार ने कमेंट करते हुए सिर्फ तीन शब्द लिखे-द लास्ट डॉस। उनके इस जवाब को कई लोग वर्ल्ड कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने के संकेत के रूप में देख रहे हैं।

माइकल जॉर्डन से जुड़ा है द लास्ट डॉस - द लास्ट डॉस वाक्यांश खेल जगत में काफी प्रसिद्ध है। यह हक के महान खिलाड़ी माइकल जॉर्डन के शिकागो बुल्स के साथ 1997-98 सीजन से जुड़ा



हुआ है, जिसे उनके करियर का आखिरी अंश माना जाता है। नेमार के इस शब्द के इस्तेमाल ने उनके भविष्य को लेकर अटकलें को और तेज कर दिया है।

ब्राजील के सबसे सफल गोल स्कोरर हैं नेमार - नेमार ब्राजील के लिए अब तक 128 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और 79 गोल के साथ देश के सर्वकालिक सबसे सफल गोल स्कोरर हैं। उन्होंने कई वर्षों तक ब्राजील की आक्रमण पंक्ति की अगुवाई की है और विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े सितारों में गिने जाते हैं।

कप्तानी से हटाए जाने पर रोहित शर्मा ने कहा सूर्यकुमार यादव को कुछ भी आसानी से नहीं मिला

मुंबई (एजेसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सूर्यकुमार यादव का समर्थन किया है। उन्हें भारत की टी-20 टीम से बाहर करने और कप्तानी से हटाने के बाद रोहित ने कहा कि मुंबई के इस स्टार खिलाड़ी को कुछ भी आसानी से नहीं मिला। शनिवार को टी20 मुंबई लीग के दौरान रोहित ने सूर्यकुमार के टॉप तक पहुंचने के सफर पर बात की। उन्होंने उस लगन का जिक्र किया जिसकी वजह से वह 30 साल की उम्र के बाद भारतीय टीम में जगह बना पाए और आखिरकार टीम को टी20 वर्ल्ड कप जितया। रोहित ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि कुछ भी आसानी से नहीं मिला, खासकर सूर्य के लिए। अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो उन्होंने 30 या 31 साल की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया था।

सीएम विजय ने चलाया करप्शन पर चाबुक, पार्टी फंड के नाम पर चल रहे गोरखधंधे पर गाज

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में सीएम बनने के बाद ऐक्टर विजय ने शुक्रवार को पहली कैबिनेट बैठक की। इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन में होने वाले भ्रष्टाचार, अनधिकृत संग्रह और पार्टी फंड जैसी प्रथाओं पर व्यापक कार्रवाई शुरू की। सीएम विजय ने अधिकारियों को आदेश दिया कि शराब बिक्री से मिला एक-एक पैसा राज्य के खजाने तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। जानकारी के मुताबिक सरकारी सूत्रों ने सीएम को बताया कि हर महीने करीब 102 करोड़ रुपए अनौपचारिक 'पार्टी फंड' के जरिए कॉरपोरेशन संचालन में जा रहे थे। अनुमान के मुताबिक पिछले पांच साल में राज्य सरकार के खजाने से करीब 1,600 करोड़ रुपए निकाले जा चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक अब डीएमके के कॉरपोरेशन के इस्तेमाल पर भी जांच केंद्रित हुई है।



बद करने का निर्देश: मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल लंबे समय से चले आ रहे कॉरपोरेशन के थोक और

माता-पिता ने चाय की दुकान चलाई थी। इससे पहले कि उन्होंने केवल वितरण व्यवसाय और बाद में राजनीति में कदम रखा। एनडीटीवी के मुताबिक मंत्री विमेश ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक में स्पष्ट कर दिया कि उनकी सरकार को भ्रष्टाचार या लोगों को दर्द पहुंचाकर होने वाली कमाई की जरूरत नहीं है। सूत्रों के मुताबिक गलत ढंग से पैसे की वसूली, पिछले कुछ वक्त में कॉरपोरेशन में सिस्टम का हिस्सा बन चुके थे। अधिकारियों के मुताबिक तमिलनाडु में शराब बोलल के अकार के अनुसार मानकीकृत मामलों के माध्यम से सप्लाई की जाती है। यहां 180 एमएल की बॉटल 48 केस में पैक होती है। वहीं, 375 एमएल की 12 और बीयर केसेज में आमतौर पर 12 बॉटलस होती हैं। आरोप है कि हर लिकर केस पर करीब 90 रुपए पार्टी फंड कलेक्शन के नाम पर जाते हैं। वहीं, बीयर में यह 40 रुपए पर केस और वाइन के मामले में 20 रुपए मंत्री या पॉलिटिकल फंड में जाते हैं।

अधिकारियों का दावा है कि यह वसूली, वेयरहाउस, ट्रांसपोर्ट और रिटेल आउटलेट्स में होती है। इसके मुताबिक हर महीने करीब 88 लाख उपभोक्ता कॉरपोरेशन के जरिए शराब खरीदते हैं। अंदरूनी आंकड़े बताते हैं कि हर महीने तकरीबन 102 करोड़ रुपए अनाधिकारिक ढंग से जाते हैं।

अभी तो यह झांकी है: बताया जाता है कि कॉरपोरेशन के खिलाफ अभियान तो महज शुरूआत भर है। भ्रष्टाचार का दायरा बहुत बड़ा है और आने वाले वक्त में कई विभाग एंटी-करप्शन मिशन की चपेट में आने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री ने हर विभाग में भ्रष्टाचार को चिन्हित करने का आदेश दिया है। खासकर वह विभाग जो सरकारी रेवेन्यू के लिए जिम्मेदार हैं। इसमें भी कॉरपोरेशन को सबसे पहले निशाना इसलिए बनाया गया क्योंकि यहां पर अनाधिकारिक कलेक्शन काफी ज्यादा है। बताया जाता है कि अगला निशाना खनन विभाग पर हो सकता है।

गुरुग्राम में अब प्रॉपर्टी टैक्स के साथ ही देना होगा सफाई शुल्क, एमसीजी के फैसले से लोगों में नाराजगी

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के निवासियों को अब अपने संपत्ति कर के साथ ही कूड़ा शुल्क भी देना होगा। संपत्ति कर के साथ अब नगर निगम ने कूड़ा शुल्क भी वसूलना शुरू कर दिया है। हालांकि बीते दो साल से कूड़ा शुल्क निगम की तरफ से वसूल नहीं किया जा रहा था, लेकिन अब निगम ने इस वसूलना शुरू कर दिया है। निगम के इस कूड़ा शुल्क का लोगों ने विरोध भी जताया है। शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) विभाग ने नए वित्त वर्ष से गुरुग्राम में भी इस शुल्क को वसूली को अनिवार्य कर दिया है। सरकार की इस नई व्यवस्था के तहत अब संपत्ति कर के बिलों में ही घरों से कूड़ा उठाने के साथ-साथ सड़कों की सफाई का शुल्क भी शामिल किया गया है। हालांकि, शहर में घर-घर से कूड़ा उठाने की कोई स्थायी और पुख्ता व्यवस्था न होने के बावजूद टैक्स बिलों में इस नए चार्ज को जोड़ने पर शहरवासियों ने रोष व्यक्त किया है। हालांकि निगम अधिकारियों ने बताया कि संपत्ति कर के साथ मुख्यालय की तरफ से कूड़ा शुल्क लगाकर भेजा गया है। यह कूड़ा संग्रहण शुल्क अकेला नहीं है, इसमें सड़कों की सफाई, गलियों में जो झाड़ू लगती है, इसमें उसका शुल्क भी शामिल है। जमीनी हकीकत यह है कि नगर निगम गुरुग्राम के पास वर्तमान में घर-घर जाकर कचरा

इकट्ठा करने, उसे अलग करने और उसके वैज्ञानिक निस्तारण की कोई स्थायी या सुचारू व्यवस्था नहीं है। नगर



निकाय फिलहाल विभिन्न छोटे ठेकेदारों के माध्यम से अस्थायी उपायों के भरोसे ही पूरे शहर की सफाई व्यवस्था को खींच रहा है। इस लचर व्यवस्था के कारण शहर की दर्जनों सोसाइटियों और रिहायशी सेक्टरों में लोग निजी स्तर पर कचरा प्रबंधन करने को मजबूर हैं, जहां निजी कचरा उठाने

वाले कर्मचारी प्रति घर 50 रुपये से लेकर 150 रुपये तक मासिक शुल्क अलग से वसूलते हैं। ऐसे में लोगों का आरोप है कि उन्हें एक ही काम के लिए दोहरा भुगतान करना पड़ रहा है। शहर की विभिन्न आरडब्ल्यू और सामाजिक संगठनों ने निगम और सरकार के इस फैसले को पूरी तरह से जनविरोधी बताया है। नागरिकों का कहना है कि जब नगर निगम के वाहन उनके घरों तक कूड़ा लेने आते ही नहीं हैं और वे निजी रेहड्यू-पट्टी वालों को अलग से भुगतान कर रहे हैं, तो निगम किस बात का टैक्स वसूल रहा है। निगम केवल अस्थाई एजेंसियों के सहारे काम चला रहा है। शहर में घर-घर से कूड़ा उठाने की कोई स्थायी और पुख्ता व्यवस्था न होने के बावजूद टैक्स बिलों में इस नए चार्ज को जोड़ने पर शहरवासियों ने रोष व्यक्त किया है।

डीएमके ने किया बैठक का बहिष्कार, झामुमो और सीपीआई-एम भी कांग्रेस से नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी। 8 जून को होने वाली विपक्षी इंडिया गठबंधन की बैठक से ठीक पहले गठबंधन के भीतर दरारें और गहरी हो गई हैं। द्रमुक द्वारा इस बैठक का बहिष्कार करने के एलान के बाद अब मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और झारखंड युक्ति मोर्चा ने भी कांग्रेस नेतृत्व की कार्यशैली पर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की है। जहां एक तरफ जेएमएम झारखंड में राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस द्वारा एकतरफा उम्मीदवार घोषित किए जाने से नाराज है, वहीं सीपीएम ने हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस नेताओं विशेषकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर किए गए तीखे हमलों को लेकर कड़ा एतराज जताया है। सीपीएम के महासचिव एमए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक बेहद सख्त लहजे में पत्र लिखा है। इस पत्र की प्रति इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों को भी भेजी गई है। उन्होंने लिखा, 'केरल विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेतृत्व द्वारा एक सुनियोजित अभियान चलाया गया कि सीपीएम और बीजेपी के बीच गुप्त समझौता है। यहां तक कि हमारे वरिष्ठ नेता और तत्कालीन मुख्यमंत्री कॉमरेड पिनाराई विजयन पर भी पीएम मोदी के साथ डील करने का आरोप लगाया गया। जनसभाओं में यह सवाल उठाया गया कि अगर कोई डील नहीं है तो प्रवर्तन निदेशालय ने अब तक उनसे पूछताछ या उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया?'

वैज्ञानिकों के एक अन्य अध्ययन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में करीब 1.44 करोड़ लोग चिकनगुनिया के जोखिम में हैं। इनमें से करीब 51 लाख लोग भारत में हैं। भविष्य में यह संख्या वैश्विक स्तर पर 3.49 करोड़ तक पहुंच सकती है। बीमारी के बढ़ते खतरे के पीछे बड़ी भूमिका एशियाई टाइगर मच्छर, यानी एडीज एल्बोपिक्टस निभा सकता है। अब तक चिकनगुनिया मुख्यतः एडीज एजिप्टी मच्छर से फैलता था, जो गर्म व आर्द्र क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है। 2005-06 में वायरस में आनुवंशिक बदलाव की पहचान हुई जिसके बाद वायरस एडीज एल्बोपिक्टस के जरिए भी फैलने लगा। यह मच्छर टंडे मौसम में भी जीवित रह सकता है। चिकनगुनिया एक वायरल संक्रमण है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, जोड़ों में दर्द, सिरदर्द, थकान और शरीर पर चकत्ते शामिल हैं। अधिकांश मरीज कुछ सप्ताह में ठीक हो जाते हैं। लेकिन कई मामलों में जोड़ों का दर्द लंबे समय तक बना रह सकता है।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा खतरा, यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक पहुंच सकता है चिकनगुनिया

वाशिंगटन, एजेंसी। कभी चिकनगुनिया को मुख्य रूप से गर्म जलवायु वाले देशों की बीमारी माना जाता था, पर अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन इस बीमारी का भूगोल बदल सकता है। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण ऐसे मच्छरों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है जो चिकनगुनिया वायरस फैलाते हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले दशकों में दुनिया के कई ठंडे क्षेत्र भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। भारत के लिए भी बढ़ सकती है चिंता प्रतिष्ठित जर्नल फ्रंटियर्स इन सेलुलर एंड इम्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार सदी के अंत तक उत्तर-पूर्वी उत्तरी अमेरिका, मध्य यूरोप और पूर्वी एशिया के कई हिस्से चिकनगुनिया के नए हॉटस्पॉट बन सकते हैं। अध्ययन में भारत के लिए भी चिंता जताई गई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि बीमारी नए क्षेत्रों में फैलती है तो 1.21 करोड़ भारतीय इसके जोखिम में आ सकते हैं। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, नागासाकी यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल वैक्सिन इंस्टीट्यूट से जुड़े

मृत पिता के नंबर पर 4 साल तक भेजती रही मैसेज; फिर आया ऐसा जवाब, छलक पड़े दुनिया के आंसू

वाशिंगटन, एजेंसी। कुछ रिश्ते मौत से खत्म नहीं होते। वे यादों, भावनाओं और दिल की धड़कनों में जिंदा रहते हैं। ऐसी ही एक भावुक कहानी है चैस्टी नाम की युवती की, जिसने अपने पिता को खोने के बाद भी उनसे बातचीत करना बंद नहीं किया। पिता की मौत के बाद वह उनका पुराने मोबाइल नंबर पर लगातार मैसेज भेजती रही। उन्हें पता था कि सामने से कोई जवाब नहीं आएगा, लेकिन उन संदेशों में उन्हें अपने पिता का साथ महसूस होता था। दिन बीतते गए, महीने गुजर गए और फिर साल भी निकल गए। लेकिन चैस्टी ने मैसेज भेजना नहीं छोड़ा। जब उन्हें कोई सफलता मिलती, वह पिता को बतातीं। जब कोई परेशानी आती, तब भी उसी नंबर पर अपना दर्द लिख देतीं। उनके लिए वह नंबर सिर्फ एक मोबाइल नंबर नहीं था, बल्कि पिता की यादों का आखिरी सहारा था। साल 2019 में पिता की चौथी पुण्यतिथि पर चैस्टी ने एक लंबा संदेश लिखा। उन्होंने बताया कि इन चार वर्षों में उन्होंने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को मात दी, कॉलेज की पढ़ाई पूरी की, जीवन की कई कठिनाइयों का सामना



किया और आगे बढ़ती रहीं। संदेश के अंत में उन्होंने लिखा कि उन्हें अपने पिता की बहुत याद आती है और काश वे आज उनकी उपलब्धियां देख पाते। हर बार की तरह इस बार भी उन्हें किसी जवाब की उम्मीद नहीं थी। मैसेज भेजने के कुछ समय बाद अचानक उनका फोन पर जवाब आया। चार साल में पहली बार उस नंबर से किसी ने उत्तर दिया था। चैस्टी हैरान रह गईं। जवाब भेजने वाले व्यक्ति का नाम ब्रैड था। ब्रैड ने बताया कि अब यह नंबर उसके पास है और वह पिछले कई वर्षों से चैस्टी के सभी संदेश पढ़ रहा था। उसने लिखा- मैं तुम्हारे मैसेज का इंतजार करता था। मैंने कभी जवाब नहीं दिया क्योंकि मैं तुम्हारे और तुम्हारे पिता के

बीच बने इस खूबसूरत रिश्ते को तोड़ना नहीं चाहता था। ब्रैड ने आगे बताया कि उसने भी अपनी बेटी को एक सड़क दुर्घटना में खो दिया था। बेटी के जाने के बाद वह गहरे दुःख में था। ऐसे समय में चैस्टी के संदेश उसके लिए भी उम्मीद की किरण बन गए। उसे लगता था कि जीवन कितना भी कठिन क्यों न हो, ईसा फिर् भी आगे बढ़ सकता है। ब्रैड ने चैस्टी की हिम्मत, संघर्ष और सकारात्मक सोच की तारीफ की। उसने लिखा कि उनके संदेशों ने उसे भी जीने की ताकत दी। जिस तरह चैस्टी अपने पिता से जुड़ी रहीं, उसी तरह उनके शब्द किसी और टूटे हुए दिल के लिए सहारा बन गए। जब यह कहानी सोशल मीडिया पर साझा की गई तो लाखों लोगों की आंखें नम हो गईं। कई लोगों ने कहा कि यह सिर्फ एक मैसेज की कहानी नहीं, बल्कि प्यार, यादों और इंसानी संवेदनाओं की ताकत की कहानी है। यह घटना आज भी जीने की ताकत दी है कि कभी-कभी एक साधारण संदेश भी किसी की जिंदगी में उम्मीद, रोशनी और जीने का नया कारण बन सकता है।

भारतीय शांति सैनिक मेजर अभिलाषा बराक को मिला अवार्ड

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत की महिला शांति सैनिक और देश की पहली महिला कॉम्बैट हेलीकॉप्टर पायलट मेजर अभिलाषा बराक को संयुक्त राष्ट्र सैन्य लिंग अधिवक्ता पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के दौरान महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण तथा लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में आयोजित एक विशेष समारोह में मेजर बराक को यह पुरस्कार प्रदान किया। वर्तमान में वह लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल के तहत शांति मिशन में अपनी सेवाएं दे रही हैं। पुरस्कार समारोह के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मेजर अभिलाषा बराक के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका योगदान यह दर्शाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी



मेजर अभिलाषा बराक भारतीय सेना की एक प्रतिष्ठित अधिकारी हैं। वह भारत की पहली महिला कॉम्बैट हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में भी जानी जाती हैं। अपने सैन्य करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं और महिला नेतृत्व को नई पहचान दिलाई है।

भारत के लिए खास बात यह भी है कि इस सम्मान को पाने वाली अभिलाषा बराक तीसरी भारतीय अधिकारी बन गई हैं। इससे पहले मेजर सुमन गवानी को 2019 में और मेजर राधिका सेन को 2023 में यह पुरस्कार मिल चुका है। मेजर सुमन गवानी ने दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के दौरान शानदार काम किया था, जबकि मेजर राधिका सेन ने कांगो में शांति मिशन में अपनी सेवाएं दी थीं। यह पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र के डिपार्टमेंट ऑफ पीस ऑपरेशंस द्वारा 2016 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य उन शांति सैनिकों को सम्मानित करना है जो महिलाओं की सुरक्षा, समानता और शांति प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2016 से प्रतिवर्ष दिया जाने वाला मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड उन शांति सैनिकों को सम्मानित करता है जिन्होंने लैंगिक समानता को

पश्चिम एशिया तनाव: यूएस-ईरान जंग के बीच पाक के गृहमंत्री तीसरी बार पहुंचे तेहरान, शांति वार्ता की कोशिशें जारी

इस्लामाबाद/तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी शनिवार को तीसरी बार ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्र में शांति बहाली को लेकर महत्वपूर्ण वार्ताएं कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी का यह पिछले कुछ हफ्तों में ईरान का तीसरा दौरा है। पाकिस्तान इस समय दोनों देशों के बीच संवाद स्थापित करने और तनाव कम करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। तेहरान पहुंचने पर नकवी का स्वागत ईरान के गृह मंत्री एफ्कदर मोमेनी ने किया। यात्रा के दौरान मोहसिन नकवी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघवी सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में क्षेत्रीय सुरक्षा, द्विपक्षीय संबंध और मौजूदा भू-राजनीतिक हालात पर चर्चा होने की संभावना है। तेहरान रवाना होने से पहले मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, इस बैठक में क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। पश्चिम एशिया में तनाव उस समय बढ़ा जब 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इज्राइल ने ईरान पर हमले किए, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। हालांकि अप्रैल में सीजफायर के बाद हालात कुछ हद तक शांत हुए, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। इस बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने की कोशिशें तेज कर दी हैं।